Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 13, अंक 234 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शुक्रवार 14 जून 2024 www.samaydarshan.in

सार समाचार

'आम चुनाव के बाद देशभर में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमले', असदुद्दीन ओवैसी का आरएसएस पर निशाना

हैदराबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद और प्रतापगढ़ में दो मौलवियों की हत्या के बाद से बवाल उपजा हुआ है। अब ऑल इंडिया मजलिस-ए-एत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने इन हत्याओं पर सवाल उठाए हैं। ओवैसी ने कहा है कि लोकसभा चुनाव के बाद देशभर में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। एआईएमआईएम अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश की घटनाओं का उदाहरण देते हुए सवाल पूछा कि क्या संघ परिवार अल्पसंख्यकों से बदला ले रहा है? ओवैसी ने आरोप लगाया कि हाल के लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद देश के विभिन्न हिस्सों में अल्पसंख्यकों पर हमलों में चिंताजनक वृद्धि हुई है। उन्होंने इसके लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा। ओवैसी ने दावा किया 'लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद देशभर के अलग अलग इलाकों से अल्पसंख्यकों पर हमलों की खबरें सामने आ रहीं हैं। उत्तर प्रदेश में दो मौलवियों की हत्या की गई। अकबरनगर में अल्पसंख्यकों के घरों को तोड़ा गया। छत्तीसगढ़ में इसी समुदाय से जुड़े दो लोगों की हत्या की गई। क्या संघ परिवार अल्पसंख्यकों से बदला ले रहा है?'

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा- 23 जून को परीक्षा होगी

नीट के 1563 कैंडिडेट्स की दोबारा परीक्षा का प्रस्ताव

30 जून तक रिजल्ट मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट एग्जाम में गड़बड़ियों को लेकर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। केंद्र की ओर से प्रस्ताव रखा गया कि ग्रेस मार्क्स पाने वाले 1563 कैंडिडेट के स्कोरकार्ड निरस्त होंगे। इसके बाद बिना ग्रेस मार्क्स के स्कोर कार्ड जारी किए जाएंगे।

एनटीए की कमेटी ने सुझाए हैं प्रस्ताव

याचिकाकर्ताओं ने नीट परीक्षा में 1563 कैंडिडेट्स को दिए गए ग्रेस मार्क?स पर आपत्ति जताई थी। एनटीए ने इस मामले की जांच के लिए एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी ने 10, 11 और 12 जून को बैठक की। कमेटी ने सुझाव दिया है कि ग्रेस मार्क्स पाने वाले 1563 कैंडिडेट्स के स्कोरकार्ड निरस्त किए जाने चाहिए और इनके लिए दोबारा परीक्षा कराई जानी चाहिए। इन स्टूडेंट्स को उनके बगैर ग्रेस मार्क्स वाले ओरिजिनल स्कोर भी बताए जाने चाहिए।

एग्जाम में गड़बड़ी की शिकायत पर कई राज्यों के हाईकोर्ट में भी याचिकाएं दायर की गई हैं। ऐसे में जहां भी ग्रेस मार्क्स को लेकर याचिका लगाई गई है वहां सुप्रीम कोर्ट का आदेश ही लागू होगा। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को नीट यूजी त्न 2024 रिजल्ट को चुनौती देने वाली 3 याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इनमें 3 मांग की गई थीं...

परीक्षा में शामिल 1563 स्टूडेंट्स को ग्रेस मार्क्स दिए गए जो गलत है। मौजूदा रिजल्ट के बेस पर हो रही काउंसलिंग को रोका जाए। नीट परीक्षा रद्द की जाए और एग्जाम दोबारा कराया जाए। इनमें से गुरुवार को ग्रेस मार्क्स के मुद्दे पर सुनवाई हुई है। वहीं पेपर लीक के आरोप की याचिका पर 8 जुलाई को सुनवाई होगी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने एनटीए को नोटिस जारी किया

वहीं, 12 जून को दिल्ली हाईकोर्ट में हृश्वश्वज्ञ त्न एग्जाम में ग्रेस मार्क्स देने और कथित पेपर लीक की 4 नई याचिकाओं पर सुनवाई हुई थी। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की बेंच ने हृञ्ज को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 5 जुलाई रखी गई है।

पेपर लीक के कोई सबूत नहीं-शिक्षामंत्री

केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पेपर लीक के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि इसका कोई सबूत नहीं है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'एनटीए पर भ्रष्टाचार के आरोप निराधार हैं। यह एक बहुत ही विश्वसनीय संस्था है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई कर रहा है और हम उसके निर्णय का पालन करेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी छात्र को नुकसान न हो।' धर्मेंद्र प्रधान ने 9 जून को मोदी 3.0 कैबिनेट में शिक्षामंत्री पद की शपथ ली है।

काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर चुका है सुप्रीम कोर्ट

इससे पहले 11 जून को सुप्रीम कोर्ट ने स्टूडेंट शिवांगी मिश्रा और 9 अन्य छात्रों की याचिका पर सुनवाई की थी। इसे रिजल्ट की घोषणा से पहले 1 जून को दायर किया गया था। कैंडिडेट्स ने ब?िहार और राजस?थान के एग?जाम सेंटर्स पर गलत व?वेश?चन पेपर्स बंटने के चलते हुई गड़बड़ी की शिकायत की थी और परीक्षा रद्द कर एनटीए जांच की मांग की गई थी। हालांकि, सुको ने नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था और हृञ्ज को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने नीट यूजी 2024 में पेपर लीक, ग्रेस मार्किंग सहित अन्य गड़बड़ियों पर सवाल उठाए थे। जस्टिस विक्रमनाथ और जस्टिस ए. अमानुल्लाह की पीठ ने कहा था कि परीक्षा की पवित्रता प्रभावित हुई है, हमें जवाब चाहिए। नोटिस में बेंच ने केंद्र और परीक्षा कराने वाली एजेंसी एनटीए से 4 हफ्ते में जवाब मांगा।

पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

पॉस्को केस में बंगलूरू की कोर्ट का फैसला

कर्नाटक (एजेंसी)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा को पॉक्सो मामले में बंगलूरू कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। इस पूरे मामले की जांच सीआईडी द्वारा की जा रही है।

यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण करने संबंधी अधिनियम (क्ष्टस्ह) के तहत पूर्व मुख्यमंत्री पर 17 वर्षीय लड़की के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में मुकदमा चल रहा है। बुधवार को सीआईडी ने यौन उत्पीड़न मामले में पूछताछ के लिए पूर्व भाजपा नेता को तलब किया। वहीं येदियुरप्पा के वकील ने सीआईडी के सामने पेश होने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा है। लेकिन बृहस्पतिवार को बंगलूरू कोर्ट ने पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया है।

बता दें कि लड़की की मां ने येदियुरप्पा के खिलाफ सदाशिवनगर पुलिस स्टेशन में 14 मार्च को शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने वरिष्ठ भाजपा नेता के खिलाफ पॉक्सो और आईपीसी की धारा 354 ए के तहत मुकदमा दर्ज किया। लड़की की मां ने आरोप लगाया कि यह घटना 2 फरवरी की है, जब वे भाजपा नेता के घर एक मामले में मदद के लिए गए थे।

यह है मामला

पीड़िता की मां ने अपनी शिकायत में बताया कि घटना दो फरवरी को एक बैठक के दौरान हुई। येदियुरप्पा ने बताया कि कुछ दिन पहले एक महिला उनके घर आई थी। वह रोते हुए कह रही थी कि कुछ समस्या है। पूर्व सीएम ने आगे कहा, मैंने उससे पूछा कि मामला क्या है और मैंने खुद पुलिस को फोन किया। कमिश्नर को मामले की जानकारी दी और उनसे उसकी मदद करने को कहा। बाद में महिला मेरे खिलाफबोलने लगी। मैंने यह मामला पुलिस कमिश्नर के ध्यान में लाया है। येदियुरप्पा ने कहा वह यह नहीं कहेंगे कि इसके पीछे कोई राजनीतिक मकसद है। पूर्व सीएम येदियुरप्पा ने हाई कोर्ट में अपील की कि इस मामले को रद्द कर देना चाहिए, क्योंकि उनके खिलाफ अपराध के साबित करने के लिए कुछ नहीं है। बता दें कि एक महिला ने बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि कर्नाटक के पूर्व सीएम ने उनकी बेटी के साथ दुर्व्यवहार किया। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था।

26 जून को लोकसभा स्पीकर का चुनाव, राष्ट्रपति ने अधिसूचना जारी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने। सरकार का गठन होने के साथ ही मंत्रियों को उनके मंत्रालय भी सौंप दिए गए हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि 18वीं लोकसभा का स्पीकर कौन होगा? इस प्रश्न का उत्तर 26 जून को मिल जाएगा। दरअसल 26 जून को लोकसभा स्पीकर का चुनाव होना है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसे लेकर अधिसूचना भी जारी कर दी है।

कौन बनेगा लोकसभा स्पीकर?

उधर इस तरह की भी खबरें हैं कि राजस्थान की कोटा-बूंदी सीट से लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने वाले ओम बिड़ला को एक बार फिर से लोकसभा स्पीकर की कमान सौंपी जा सकती है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की पत्नी की बहन डी पुरुंदेश्वरी के नाम पर भी चर्चा चल रही है।

तीसरी बार एनएसए बनाए गए अजीत डोभाल

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव बने रहेंगे पीके मिश्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में तीसरी बार मोदी सरकार बन चुकी है और इसके साथ ही मंत्रियों को उनके मंत्रालयों का आवंटन भी हो चुका है। गुरुवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) को लेकर बड़ी खबर सामने आई है।

अजीत डोभाल को लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) नियुक्त किया गया है। अजीत डोभाल को पहली बार 20 मई 2014 को देश का राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया गया था। तब से डोभाल ही इस पद को संभाल रहे हैं। उनसे पहले शिवशंकर मेनन देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। 1968 बैच के आईपीएस अधिकारी अजीत डोभाल को कूटनीतिक सोच और काउंटर टेररिज्म का विशेषज्ञ माना जाता है।

उधर प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह जिम्मेदारी पीके मिश्रा ही संभालते रहेंगे। केंद्रीय कैबिनेट की नियुक्ति

समिति ने अजीत डोभाल और पीके मिश्रा की पुनर्नियुक्ति पर मुहर लगा दी है। आईएएस (सेवानिवृत्त) पीके मिश्रा को 10 जून 2024 से प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव के रूप में नियुक्त किया गया। पीके मिश्रा 1972 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वह पिछले 1 दशक से प्रधानमंत्री मोदी के साथ प्रधान सचिव के तौर पर काम कर रहे हैं। पीके मिश्रा प्रशासनिक मामले और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में नियुक्तियों का काम देखेंगे। इसके अलावा अजीत डोभाल राष्ट्रीय सुरक्षा, सैन्य मामले और इंटेलिजेंस की जिम्मेदारी संभालेंगे।

उत्तर भारत में अभी और सताएगी लू, कमजोर पड़ा मानसून

नई दिल्ली (एजेंसी)। आमतौर पर जून के पहले हफ्ते से देश के मध्य और उत्तरी इलाकों में मानसून की बारिश होने लगती है। लेकिन जून महीने का तीसरा हफ्ता शुरू होने के बाद भी उत्तर भारत में मानसूनी बारिश का नामो-निशान नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार देश में समय से पहले दस्तक देने के बाद अब मानसून कमजोर पड़ने लगा है। इस वजह से मानसून कुछ दिनों के लिए ठहर सकता है और संभावना है कि अगले 8-10 दिनों तक यह कमजोर रह सकता है। जिससे देश के उत्तर पश्चिम इलाकों में मानसून के आगमन में देरी हो सकती है। वहीं बारिश न होने से उत्तर और मध्य भारत में लू बढ़ सकती है।

मौसम विभाग का कहना है कि महाराष्ट्र पहुंचने के बाद मानसून धीमा हो गया है और इसे फिर से गति पकड़ने में एक सप्ताह का वक्त लग सकता है। बता दें कि मुंबई में मानसून तय समय से करीब दो दिन पहले पहुंच गया, लेकिन मध्य और उत्तरी राज्यों में इसके फैलाव में देरी हो सकती है। मानसून अगले तीन से चार दिनों के दौरान ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी को कवर कर सकता है। आईएमडी के अनुसार, उत्तरी राज्यों में अधिकतम तापमान 42 से 47 डिग्री सेल्सियस के बीच है, जो सामान्य से लगभग तीन से छह डिग्री सेल्सियस अधिक है।

केरल और पूर्वोत्तर क्षेत्र में मानसून ने 30 मई को दस्तक दी थी। केरल के कोट्टायम जिले के कई हिस्सों में मानसून की पहली बारिश दर्ज की गई है। पिछले 10 सालों के दौरान ये चौथी बार है, जब मानसून अपने पूर्वानुमान से पहले आया है।

इसके बाद महाराष्ट्र में भी मानसून ने समय से पहले दस्तक दे दी। और 9 जून को मुंबई में जमकर बारिश हुई। महाराष्ट्र के बाद 11 जून को गुजरात में मानसून का आगमन हुआ। दक्षिण गुजरात में नवसारी और वलसाड में मानसून की पहली बारिश हुई। अगले पांच दिनों तक राज्य के दक्षिणी हिस्सों बारिश का अनुमान है। गुजरात में भी समय से पहले मानसून की एंट्री हुई है। हालांकि, मानसून को पूरे राज्य तक पहुंचने में एक हफ्ते का समय लग सकता है।' वहीं मध्य प्रदेश के लोगों को मानसून के लिए कम से कम एक हफ्ते का इंतजार करना होगा। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि 20 जून तक मानसून राज्य में दस्तक दे सकता है।

'जून के तीसरे हफ्ते में फिर सक्रिय होगा मानसून'

मौसम संबंधी जानकारी देने वाली निजी वेबसाइट स्काईमेट वेदर के मुताबिक, भले ही देश के दक्षिणी इलाकों में चक्रवात की समाप्ति से मानसून कमजोर पड़ गया है, लेकिन 15-16 जून के बीच पूर्वी भारत में यह फिर से सक्रिय हो सकता है। 22 जून तक यह पूर्वी और मध्य उत्तर प्रदेश तक सक्रिय हो जाएगा। मानसून अभी अस्थायी तौर पर कमजोर हुआ है। और ऐसा हर साल होता है।

हिमाचल का दिल्ली को पानी देने से इनकार

यमुना जल बंटवारे का मुद्दा जटिल, हमारे पास एक्सपर्टीज नहीं-सुप्रीम कोर्ट

एक दिन पहले हामी भरी थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश को एक महीने तक एक्स्ट्रा पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की है।

दिल्ली में जल संकट को लेकर गुरुवार (13 जून) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। हिमाचल प्रदेश ने कोर्ट को बताया कि हमारे पास दिल्ली को देने के लिए 136 क्यूसेक पानी नहीं है। जबकि एक दिन पहले (12 जून को) हिमाचल ने कहा था कि हमारी तरफसे पानी

छोड़ा गया है। हरियाणा की तरफ से पानी सप्लाई किया जाना बाकी है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने कहा कि राज्यों के बीच यमुना के पानी का बंटवारा एक जटिल और संवेदनशील मुद्दा है। हमारे पास दिल्ली, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के बीच जल-बंटवारे के फॉर्मूले पर फैसला लेने की टेक्निकल एक्सपर्टीज नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली को पानी देने का फैसला अपर रिवर यमुना बोर्ड पर छोड़ दिया। कोर्ट ने कहा कि यमुना रिवर बोर्ड ने पहले ही दिल्ली को मानवीय आधार पर पानी की आपूर्ति के लिए आवेदन जमा करने का निर्देश दिया है। अगर दिल्ली सरकार ने एप्लिकेशन नहीं दी है तो आज शाम 5 बजे तक दे दें। कोर्ट ने यमुना रिवर बोर्ड को शुक्रवार (14 जून) को एक बैठक बुलाकर दिल्ली सरकार के एप्लिकेशन पर जल्द से जल्द फैसला लेने का आदेश दिया है। साथ ही कहा कि अगर जरूरत हो तो रोज बैठक कीजिए।

दिल्ली सरकार ने 3 राज्यों से एक्स्ट्रा पानी देने की मांग की थी

दरअसल, दिल्ली की ,क सरकार ने जल सकंट को लेकर 31 मई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश को दिल्ली को एक महीने तक एक्स्ट्रा पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की गई थी। हिमाचल प्रदेश एक्स्ट्रा पानी देने के लिए तैयार था। कोर्ट ने 6 जून को हिमाचल को 137 क्यूसेक पानी छोड़ने का आदेश दिया था। दिल्ली सरकार ने कहा था कि यह पानी हमारे यहां अभी नहीं पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार (12 जून) को टैंकर माफिया द्वारा मुनक नहर से पानी चोरी करने के मामले में दिल्ली सरकार को जमकर फटकार लगाई थी।

पीएम मोदी ने की जम्मू-कश्मीर के हालात की समीक्षा, आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई का दिया निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और अन्य अधिकारियों के साथ जम्मू-कश्मीर की स्थिति की समीक्षा की। उन्हें जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा संबंधी स्थिति से अवगत कराया गया। प्रधानमंत्री ने उनसे आतंकवाद रोधी क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल करने को कहा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी फोन बात की व आंतकवाद रोधी अभियानों पर चर्चा की। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा से भी बात की और केंद्र शासित प्रदेश का जायजा लिया।

जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ दिनों में कई आतंकी हमले हुए हैं। आतंकवादियों ने पिछले चार दिनों में रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार स्थानों पर हमले किए हैं। जिमसें दस तीर्थयात्रियों की मौत हुई। साथ ही सीआरपीएफ का एक जवान भी शहीद हुआ। इसके अलावा, सात सुरक्षा कर्मी और कई अन्य घायल हुए हैं।

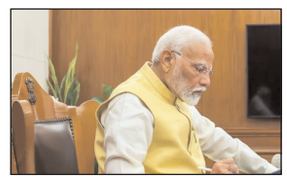

सुरक्षा बलों द्वारा अलग-अलग जिलों में सर्च ऑपरेशन चलाया गया है। संदिग्ध आतंकियों के स्केच जारी हो रहे हैं। ऑपरेशन से जुड़े विश्वस्त सूत्रों का कहना है, 72 घंटे में तीन हमले, ये एक सोची समझी रणनीति है। पाकिस्तान से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर, ताजा घुसपैठ की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। भले ही बॉर्डर पर सीजफायर लागू है, लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तानी आतंकी संगठनों के सदस्य जम्मू कश्मीर में प्रवेश कर रहे हैं। सेना के सूत्रों ने यह बात मानी है कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन में आतंकियों को हर तरह की मदद पहुंचाने वाली 'ब्लैक शीप' (काली भेड़) मौजूद हैं। इनके चलते पड़ोसी मुल्क के दहशतगर्द, सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाते हैं। 'ब्लैक शीप' की खोज और पहचान के लिए अलग से ऑपरेशन शुरू किया गया है। पिछले कुछ समय से आतंकियों का फोकस कश्मीर घाटी की बजाए, जम्मू क्षेत्र पर अधिक हो रहा है। रविवार को जम्मू के रियासी में आतंकवादियों ने शिवखोड़ी मंदिर से कटरा जा रहे तीर्थयात्रियों की एक बस को निशाना बनाया था।

सुविधाओं के अभाव में प्रतिभा को बचाने शुरु की एकेडमी-अश्वनी यदु

नि:शुल्क फिजिकल एवम् रिटन के तैयारी की व्यवस्था

पुलिस भर्ती हेतु तपती धूप में मेहनत कर रहे जिले के अभ्यर्थी

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडरिया जनपद पंचायत के सभापति अश्वनी यदु ने अपने क्षेत्र के युवाओं को बेहतर सुविधा दिलाने हेतु सराहनीय पहल किया है। पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं के लिये मां भारती एकेडमी के नाम से फिजिकल एवम् रिटन की तैयारी हेतु ट्रेनिंग सेंटर की बेहतर सुविधा उपल्ब्ध करवाया है, जो ग्रामीण क्षेत्र में अपनी तरह का पहला एकेडमी हैं। यहां सारी प्रक्रिया मुफ्त है सिर्फ महीने के रिटन टेस्ट हेतु 20 रुपए हर माह लिया जाता है। इस राशि से हर माह प्रत्येक अभ्यर्थी हेतु प्रश्न पत्र ओएमआर शीट की व्यवस्था की जाती है।

जनपद सभापति श्री यदु ने बताया कि हर माह लिखित टेस्ट लिया जाता है व हर माह फिजिकल टेस्ट भी होता है। सुबह 5.30 बजे क्लास लग जाती है, जिसमें चौकी दामापुर के पुलिस जवान नंदलाल राठौर मुफ्त में सेवा देते हुए युवाओं को रोज पढ़ाई कराते हैं, वहीं निंगापुर निवासी भानू चंद्रवंशी जो पूर्व में दिल्ली में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर चुके हैं, उनके द्वारा भी रिटन की तैयारियां करवाई जा रही है। फिजिकल की जिम्मेदारी पुलिस जवान ओम प्रकाश ध्रुर्वे के कंधों पर है। वे प्रति दिन पूरी मेहनत के साथ फिजिकल टेस्ट की तैयारी करवाई जा रही है। क्षेत्र के लगभग 30-40 गांव के 70 से 80 युवक एवम् युवतियां तैयारी कर रहे हैं। मां भारती एकेडमी के संचालक अश्वनी यदु ने कहा कि प्रतिभावान युवा साथी सुविधाओं के अभाव में गुमनामी में खो जाते हैं। प्रतिभा होते हुए भी सुविधाओं के अभाव में रोज़ी मजदूरी करने के लिये मजूबर रहते हैं। हमारे मां भारती एकेडमी में आने वाले कई छात्र सुबह मनरेगा में मजदूरी करके क्लास आते हैं। दु:ख होता है जब ऐसे युवाओं को लेट क्लास आने का कारण जब पूछा जाता है, तब वे बताते हैं कि तालाब गहरीकरण में मनरेगा के तहत मजदूरी करने गया था। कई बच्चों के माता पिता मजदूर हैं तो कई युवा साथी सुबह अपनें खेत में काम करके क्लास आते हैं। हमारी कोशिश है ऐसे युवाओं को बेहतर से बेहतर सुविधा दें ताकि इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हों एवम् इनके भी सपनों पर पंख लगे।

संचालक श्री यदु ने बताया कि हमारा कुंडा दामापुर मरका क्षेत्र अभी भी शिक्षा के क्षेत्र में काफी पिछड़ा है। ख़ास कर प्रतियोगिता परीक्षा में सहभागी नहीं बन पाते पीएससी एमबीबीएस व्यापम जैसे प्रतियोगिता में भाग लेना तो दूर सोचते तक नहीं हमारा प्रयास है कि हम जल्द ऐसी सुविधा उपलब्ध कराएं, जिससे कुंडा, दामापुर, मरका क्षेत्र के युवा तहसीलदार एसडीएम अपर कलेक्टर डीएसपी एमबीबीएस डॉक्टर जैसे पद पर जाएं वहीं अश्वनी यदु ने जिला पुलिस कप्तान का हृदय से अभिनंदन करते हुए कहा कि पुलिस जवान जो मां भारती एकेडमी में मुफ्त में सेवा दे रहे हैं वे पुलिस टीम का सबसे बड़ा सहयोग है।

सुविधाओं के अभाव में पुलिस बनने का सपना कहीं वंचित न हो जाए

प्रदेश में जब से पुलिस भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया गया है। तबसे पुलिस बनने की चाह रखने वाले युवा वर्दी पहनने के सपने संजोए हुए हैं। अपने अपने स्तर में सभी तैयारी कर रहे हैं। पुलिस भर्ती हेतु तकरीबन 7 लाख युवाओं ने फॉर्म भरा है, जिसमें कवर्धा जिला के युवा साथी भी अपनी किस्मत आजमाने हजारों की संख्या में तैयारी कर रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में सुविधाओं के साथ युवा साथी तैयारी कर रहे हैं, वहीं ग्रामीण क्षेत्र के सक्षम अभिभावक अपनें बच्चों को शहरों में भेजकर तैयारी करवा रहे हैं। मगर ऐसे बच्चे जिनके अभिभावक शहर भेजने में सक्षम नहीं उनके बच्चे सुविधाओं से दूर हो जाते हैं तैयारी करने में सुविधाओं के अभाव के कारण सरकारी पद से वंचित रह जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाया, घूमंतु बच्चों को शिक्षा से जोड़ने विशेष अभियान चलाया जाएगा

कवर्धा (समय दर्शन)। कलेक्टर जनमेजय महोबे के निर्देशानुसार जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी के मार्गदर्शन एवं जिला बाल संरक्षण अधिकारी के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास विभाग, मिशन वात्सल्य, पुलिस विभाग, विशेष किशोर पुलिस इकाई, श्रम विभाग एवं चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 की संयुक्त टीम ने विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न स्थानों में बाल श्रम निषेध अभियान चलाया।

विशेष अभियान के अंतर्गत टीम ने हॉटल, ढाबा, दुकान, मोटर गैरेज, ईंट भट्टे, गुड़ फैक्ट्री, कबाड़ी दुकान निर्माण स्थानों आदि में जाकर निरीक्षण किया गया। वहीं झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले परिवारों को अपने बच्चों से काम नही करवाने और शिक्षा से जोड़ने प्रेरित किया गया। इस दौरान संयुक्त टीम में सत्यनारायण राठौर जिला बाल संरक्षण अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, सी आर नंदा श्रम निरीक्षक, गौरव महोबिया श्रम निरीक्षक, सुश्री क्रांति साहू संरक्षण अधिकारी संस्थागत, राजाराम संरक्षण अधिकारी गैर संस्थागत देखरेख, सुरेश साहू सामाजिक कार्यकर्ता, श्रीमती परमेश्वरी धुर्वे सामाजिक कार्यकर्ता, श्रीमती श्यामा धुर्वे, श्रीमती नितिन किशोरी वर्मा आउटरीच वर्कर, महेश निर्मलकर परियोजना समन्वयक, आरती यादव सुपरवाइजर, रामलाल पटेल सुपरवाइजर, श्रीमती शारदा निर्मलकर सुपरवाइजर एवं प्रधान आरक्षक राजकुमार कुशवाहा, आरक्षक श्रीमती शकुन्तला मरकाम, आरक्षक आलोक त्रिपाठी एवं पुलिस टीम उपस्थित थे।

शासकीय चिकित्सालयों में उपचार करा रहे मरीजों की निजता का किया जाएगा सम्मान, नहीं होगी फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ ने राज्य के समस्त आयुक्त चिकित्सा शिक्षा, संचालक स्वास्थ्य सेवाएं, संचालक आयुष, अधिष्ठाता समस्त शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन मुख्य अस्पताल अधीक्षक को परिपत्र जारी कर कहा है कि किसी भी शासकीय चिकित्सालय में उपचार करा रहे मरीजों की शासकीय अथवा गैर शासकीय व्यक्तियों के द्वारा किसी प्रकार की फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी नहीं की जाए, जिससे उनकी निजता भंग हो। श्री पिंगुआ ने उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा जनहित याचिका क्रमांक डब्ल्यूपीपीआईएल नंबर 38 ऑफ 2024 में 10 जून 2024 को पारित आदेश का हवाला देते हुए सभी मरीजों की निजता का सम्मान एवं उनके व्यक्तिगत अधिकारों का उल्लंघन न करने की बात कही है। समाज में एक जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनने के लिए यह आवश्यक है कि हम इस प्रकार के कृतियों से बचें और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करें। उक्त निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

आयुष्मान कार्ड पंजीयन सर्वेक्षण के बारे में दिया गया प्रशिक्षण

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अन्तर्गत जिले के समस्त विकासखण्ड के स्वास्थ्य कर्मचारियों, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजकों, सुपरवाइजरों, ऑपरेटरों को आयुष्मान कार्ड पंजीयन सर्वेक्षण के लिए प्रशिक्षण जिला पंचायत के सभाकक्ष में दिया गया। जिसमें विकासखण्ड स्तर पर आयुष्मान कार्ड पंजीयन योजना संबंधी जानकारी एवं आगामी कार्ययोजना के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए प्रशिक्षण दिया गया।

ओलावृष्टि से हुई फसल क्षति की मुआवजा राशि देने की मांग, मुआवजा राशि नहीं मिलने से किसानों में रोष

सरायपाली (समय दर्शन)। पिछले रबी सीजन में हुई ओलावृष्टि से सागरपाली रोहिना क्षेत्र के सैकड़ों एकड़ रबी फसल को काफी नुकसान पहुंचा था। खासकर गेहूं, मूंग, उड़द, चना, सरसों, सूरजमुखी, मूंगफली, प्याज आदि फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। ओलावृष्टि का प्रकोप सागरपाली रोहिना के आसपास के गांव में ज्यादा था। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर राजस्व विभाग द्वारा फसल क्षति का आकलन भी करवाया गया तथा हल्का पटवारी द्वारा आरबीसी 6-4 के तहत मुआवजा प्रकरण तैयार कर तहसील कार्यालय में 16.04. 2024 को जमा किया गया है मगर अब तक किसानों को मुआवजा राशि नहीं मिल पाई है। जिससे किसानों में रोष व्याप्त है। रोहिना के किसानों ने गेहूं फसल के लिए बीमा भी करवाया था जिसका लाभ अभी तक नहीं मिल पाया है।

पिछले 20 मार्च को सागरपाली रोहिना क्षेत्र में भयंकर ओलावृष्टि हुई जिसके चलते रबी फसल बर्बाद हो गई जिन किसानों ने गेहूं, मूंग, उड़द आदि फसल लिए थे बर्बाद भी फसल को देखकर माथा पकड़ लिये। ओलावृष्टि से रोहिना, कापुडीह, दुर्गापाली, सागरपाली, बिजराभांठा, बिरसिंगपाली बुधुडोंगर आदि गांव में व्यापक रूप से क्षति हुई है। किसानों ने बताया कि पहली बार इतने बड़े-बड़े ओले गिरते हुए देखा था। आधे घंटे की ओलावृष्टि से लहलहाती फसल चौपट हो गई। रोहिना के रूपानंद साहू ने बताया कि गेंहू पककर कटाई के लिये तैयार थी ऐसे समय में ओलावृष्टि होने से पूरी तरह से गेहूं झड़ कर नीचे गिर गया और उत्पादन पूरी तरह से प्रभावित हुआ। उसने करीब 5 एकड़ में गेहूं की फसल ली थी जहां पिछले वर्ष करीब 80 पैकेट हो गया था इस बार मुश्किल से 25 पैकेट हुआ है। वीरेंद्र सेठ ने बताया कि गेहूं मुंग बोया था ओला गिरने से पूरी तरह से बर्बाद हो गया है। लागत भी नहीं निकला। गस्तीडीपा राजेश एवं भगवानो यादव ने बताया कि ओलावृष्टि से उनके गांव में भी काफी नुकसान हुआ है। सागरपाली के वृंदावन साहू ने बताया कि उसने गेहूं और मूंग लगाया था ओलावृष्टि की वजह से पूरी तरह से चौपट हो गया।

सत्कार रेस्टोरेंट बसना के संचालक प्रीतमसिंह के पुत्र अशप्रीत सलूजा का सिक्ख समाज छ.ग.ने किया सम्मान

बसना(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 9वीं से 12वीं तक के प्रदेशभर के विद्यार्थीयों का सम्मान राजधानी स्थित मायाराम सुरजन हाल मे किया। सिक्ख समाज छत्तीसगढ़ ने 215 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का सम्मान कर बच्चों का हौसला अफजाई किया है ।

बीते दिनों राजधानी रायपुर स्थित मायाराम सुरजन हॉल में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 9वीं से 12वीं तक में 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। बसना से अशप्रीत सलूजा ने कक्षा 10 वीं में 94.2ब अंक प्राप्त कर घर ,परिवार ,समाज एवं विद्यालय का नाम रौशन किया है । अशप्रीत सिंह सलूजा बसना प्रतिभा पब्लिक स्कूल के छात्र है, और बसना के सत्कार रैस्टोरेंट एवं ढाबा के संचालक प्रीतम सिंह सलूजा ,कुलदीप कौर सलूजा के सुपुत्र हैं । अशप्रीत ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता व परिवार बडों के अलावा स्कूल के प्राचार्य और सभी शिक्षक और स्कूल स्टाफ को दिया है। इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि हेमचंद विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा थीं। विशेष अतिथि सिख पंचायत दुर्ग के अध्यक्ष जसबीर सिंह चहल और पंजाबी सिक्ख संगत के अध्यक्ष जवाहर खन्ना थे। खन्ना ने बच्चों और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि, जो बच्चे कम अंक लाए हैं वे निराश न हों। अभी उनके लिए और भी अवसर आएंगे। वे और प्रयास करें, सफलता अवश्य मिलेगी। इस दौरान अशप्रित के माता पिता,दादा व सिक्ख संगत बसना के प्रमुख मंजीतसिह सलूजा एवं आयोजन समिति सदस्य अमरजीत सिह छाबड़ा एवं सिक्ख संगत के प्रमुखगण उपस्थित थे। सभी ने उच्च अंक प्राप्त करने वाले सभी मेधावी छात्र छात्राओं की उज्जवल भविष्य की कामना के साथ बधाईयाँ दिए।

तेज आंधी से झाड़ गिरा, झाड़ किनारे खड़ी मोटरसायकिल दबी

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य में मानसून के आगमन होने की जानकारी मौसम विभाग के द्वारा दो दिन पूर्व की बताई जा रही है लेकिन क्षेत्र में मानसून बरसात कही नही हुई है।लेकिन इस भीषण गर्मी के बीच हर दिन शाम को मौसम अपना मिजाज बदलते दिख रहा है जिससे शाम होते ही तेज आंधी और हल्की बारिश होने लगता है।वही इस आंधी तूफान के चलते कुछ पेड़ तो कुछ झाड़ की टहनियां टूट रहा है जिससे जनहानि तो नही हुई लेकिन धन हानि जरूर हो रहा है।ऐसा ही अल्हड़ और तेज आंधी जिला मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर बेंनकुरा ग्राम में बीते शाम आया जिसमे लोग तो सुरक्षित रहे लेकिन धन हानि हुआ।ज्ञात हो कि बीते शाम होते होते ग्राम बेंनकुरा में मौसम ने अपना मिजाज बदला बदली छाई और तेज हवा चलने लगा ,इस आंधी के चलते ग्राम के कई पेड़ और टहनियां धराशाई हो गई जिससे ग्राम का आंगनबाड़ी में क्षति पहुंचा साथ ही झाड़ गिरने से कई मकान में नुकसान पहुंचा और झाड़ किनारे खड़े मोटरसाइकल उस टूटे झाड़ में दब गया वही एक चार पहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गया।जिसमे गनीमत यह रही कि कोई जनहानि नही हुआ।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत 02 दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला संपन्न

सीईओ यादव ने जिले में आजीविका गतिविधि को बढ़ाने के दिये निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देश पर तथा जिला पंचायत सीईओ रीता यादव की उपस्थिति में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहानअंतर्गत जिला पंचायत सभाकक्ष में 02 दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के समस्त विकासखण्डों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 की कार्ययोजना पर समय-सीमा में लक्ष्य अनुसार प्रगति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक रणनीति पर 10 एवं 11 जून को सामाजिक समावेशन एवं संस्थागत निर्माण अंतर्गत समूह लक्ष्य के विरूद्ध प्रगति एवं सैचुरेशन, लाकोस के माध्यम से ऑनलाईन समूह की एंट्री पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। साथ ही गावं की गरीब महिलाओं एवं उनके स्व-सहायता समूहों को बैंकिंग सुविधाओं तक पहुँच बनाने के लिए वित्तीय समावेशन के तहत सहायता उपलब्ध कराने हेतु आरएफ, सीआईएफ प्रदाय एवं बैंक लिंकेज के बारे में बताया गया।

स्व-सहायता समूहों को वित्तीय रूप से साक्षर बनाने के लिए समूह की सक्रिय महिलाओं में से बीमा सखी, वित्तीय साक्षरता-सीआरपी, बैंक सखी आदि सामुदायिक संवर्ग के माध्यम से बीमा को बढ़ावा देने, आजीविका गतिविधि को बढावा देने एवं लोकोस के माध्यम से आनलाईन समूह की प्रविष्टि में प्रगति लाने के निर्देश दिये गये। इसी कड़ी में कार्यशाला के दूसरे दिन जिले में आजीविका गतिविधियों को बढ़ाने के निर्देश दिये गये। जिसमें बिहान ढाबा, बिहान चौपाटी, अन्य सफल आजीविका गतिविधियों को बड़े पैमाने पर किया जाये। जिलें में अधिक से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के लक्ष्य के लिए कार्य योजना बनाकर समय सीमा मे पूर्ण करने को कहा गया। साथ ही जिले मे कार्य कर रहे पीजी समूह, एफपीओ, लखपति पहल पर कार्ययोजना तैयार की गई। इस दौरान कार्यशाला में रायपुर से आये टीम भी सम्मिलित हुए। जिनके माध्यम से आजीविका संबंधी आगामी कार्ययोजना व पीवीटीजी परिवार को लाभान्वित करने के संबंध में जानकारी दी गई। उन्मुखीकरण कार्यशाला में विकासखण्ड टीम द्वारा पीपीटी के माध्यम से प्रगति, आगामी कार्ययोजना पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ रीता यादव ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी, कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र, मोमेण्टो से सम्मानित किया। कार्यशाला में जिला मिशन प्रबंधन इकाई एवं विकासखण्ड मिशन प्रबंधन इकाई के समस्त अधिकारी- कर्मचारीगण उपस्थित थे।

बंसूला रोजगार सहायक पद्मा साव द्वारा मनमाने ढंग से कार्यो मे अनियमितता एवं शासकीय राशि का दुरूपयोग के मामले मे आफिस अटैच

बसना(समय दर्शन)। जनपद पंचायत बसना अंतर्गत ग्राम पंचायत बंसुला में रोजगार सहायक श्रीमती पदमा साव के विरूध्द आवेदक धनमोती एवं अन्य ग्राम वासी तथा सरपंच एवं पंचगण ग्राम पंचायत बंसूला द्वारा मजदूरों के साथ दुर्व्यवहार करने ,मनरेगा कार्यों का दत्तावेज नही रखने, मनमानी पूर्वक कार्य करने, लगातार अनुपस्थित रहने, मनरेगा कार्य को मेट के भरोसे करवाने तथा मनरेगा अंतर्गत चल रहे छोटा तालाब गहरीकरण कार्य में कार्य नहीं कर रहे मजदूरो का भी नाम मस्टर रोल में चढाकर शासकीय राशि का दुरुपयोग करने के संबंध में लिखित शिकायत किया गया है। उक्त शिकायत की जाँच करने हेतु जांच टीम गठित की गई है, वर्तमान में शिकायत जांच कार्य प्रक्रियाधीन होने के कारण अंतरिम व्यवस्था के तौर पर आगामी आदेश पर्यन्त तक रोजगार सहायक श्रीमती पदमा साव ग्राम पंचायत बंसूला को जनपद पंचायत बसना के मनरेगा कार्यालय में एतद द्वारा संलग्न किया गया गया है।

जनपद पंचायत बसना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि शिकायत पश्चात यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया है। जनपद पंचायत बसना द्वारा संबंधित प्रकरण की प्रतिलिपि जिला कलेक्टर जिला महासमुन्द एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत महासमुन्द के साथ अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बसना को सादर सूचनाये सम्प्रेषित करते हुए संबंधित प्रकरण की प्रतिलिपि ग्राम पंचायत बंसुला के सरपंच/सचिव को सूचनार्थ प्रेषित की गयी है। साथ ही आगामी आदेश पर्यन्त तक ग्राम पंचायत बंसूला में रोजगार सहायक का अतिरिक्त प्रभार ग्राम पंचायत सचिव को सौपा गया है, पंचायत सचिव अपने मूल कार्य के अतिरिक्त ग्राम रोजगार सहायक का भी कार्य सम्पादन करेंगें।

// नाम परिवर्तन //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्री राजेश कुमार सिंह पिता द्वारका सिंह ठाकुर आयु 62 वर्ष निवासी 2/12, वसुंधरा नगर (उत्तर), भिलाई-3, तह. भिलाई-3, जिला-दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड 490021 यह शपथ करता हूं कि मैंने अपना पुराना नाम को त्याग कर नया नाम श्री राजेश कुमार सिंह ठाकुर पिता द्वारका सिंह ठाकुर, रख लिया हूं। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम श्री राजेश कुमार सिंह टाकुर पिता द्वारका सिंह ठाकुर से ही पहचाना जावे।

राजेश कुमार सिंह ठाकुर
निवासी-2/12,
वसुंधरा नगर (उत्तर) भिलाई-3
जिला- दुर्ग (छ.ग.) पि कोड-490021

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER
MAHANADI GODAWARI BASIN, RAIPUR (C.G.)
e-PROCUREMENT TENDER NOTICE
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
CORRIGENDUM No. 01

Following Amendment is made in System Tender No. : 154151/ NIT No. : 59/SAC/2023-24, Durg, Dated : 14.03.2023 and 154152/ NIT No. : 60/SAC/2023-24, Durg, Dated : 14.03.2023

Ammendment
1. Bid Start Date and time: 18.06.2024, 17:31 Hours
2. Bid Due Date and time: 01.07.2024, 17:30 Hours
3. Bid Open Start Date and time: 02.07.2024, 11:30 Hours.

All other terms and condition will be unchanged.
G.No. 08559

Executive Engineer
Tandula Water Resources Division, Durg (C.G.)
For, Chief Engineer, Mahanadi Godavari Basin
Raipur (C.G.)
G-242500261/1

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER
MAHANADI GODAWARI BASIN, RAIPUR (C.G.)
e-PROCUREMENT TENDER NOTICE
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
CORRIGENDUM No. 01

Following Amendment is made in System Tender No. : 153876/ NIT No. : 58/SAC/2023-24, Durg, Dated : 12.03.2024

Ammendment
1. Bid Start Date and time: 18.06.2024, 17:31 Hours
2. Bid Due Date and time: 02.07.2024, 17:30 Hours
3. Bid Open Start Date and time: 03.07.2024, 11:30 Hours

All other terms and condition will be unchanged.
G.No. 08494

Executive Engineer
Tandula Water Resources Division, Durg (C.G.)
For, Chief Engineer, Mahanadi Godavari Basin
Raipur (C.G.)
G-242500262/3

पिस्टल दिखाकर एक कारोबारी से लाखों की लूट

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी से लगे खरोरा इलाके में एक कारोबारी से दिनदहाड़े लाखों रूपयों की लूट का मामला सामने आया है। बाइक सवार दो अज्ञात लुटेरों ने पिस्टल दिखाकर व्यापारी के ऑफिस में घुसकर 27 लाख रूपयों से भरा बैग लेकर भाग गये। मिली जानकारी के अनुसार किसानों से धान खरीदी कर राइस मिलर्स को बेचने वाले कारोबारी विष्णु शर्मा हर रोज की तरह बुधवार सुबह करीब 11 बजे अपने खरोरा के सिंघा दुर्हिया चौक पर स्थित ऑफिस पहुंचे थे। इसी दौरान दो बाईक सवार अज्ञात लोग वहां पहुंचे और पिस्टल दिखाकर विष्णू शर्मा को बंधक बना लिया तथा एक कमरे में बंद कर दिया। और उनके कार्यालय में घुसकर 27 लाख रूपयों से भरा बैग लेकर फरार हो गए। किसी तरह अपने आप को छुड़ाकर विष्णू शर्मा कमरे से बाहर निकले तथा खरोरा थाने में फोन कर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर आरोपियों की खोजबीन शुरू कर दी है। बता दें क कारोबारी विष्णु शर्मा तिल्दा निवासी है और पेशे से धान की दलाली का कारोबार करते है तथा रोज तिल्दा से खरोरा आना-जाना करते है। मामले में खरोरा पुलिस ने कुछ संदिग्ध लोगों को हिरासत मे लिया है तथा पुछताछ कर रही है। पुलिस ने जल्द ही मामले का खुलासा करने की बात कही है।

मेडिकल कॉलेज की फॉल्स सीलिंग गिरी

रायपुर(समय दर्शन)। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग में बुधवार को बड़ा हादसा टल गया। विभाग के फैकल्टी कक्ष का प्लास्टर फॉल्स सीलिंग सहित भरभराकर गिर पड़ा। कुछ देर पहले ही वहां से एक छात्रा बाहर निकली थी। इस घटना से कालेज में हड़कंप मच गया।

लगभग 45 साल पुरानी हो चुकी इस बिल्डिंग की मरम्मत कराने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय का भवन करीब 45 साल पुराना है। यहां बारिश के दिनों में सीपेज के साथ पानी टपकने और कई बार प्लास्टर और फॉल्स सीलिंग के गिरने की घटनाएं हो चुकी हैं। कुछ समय पहले कम्यूनिटी मेडिसिन के विभागाध्यक्ष कक्ष में फॉल्स सीलिंग गिरी थी। इसी तरह फार्मकोलॉजी विभाग में भी शिकायतें सामने आ चुकी हैं। बुधवार को कम्यूनिटी मेडिसिन के असिस्टेंट प्रोफेसर कक्ष के समीप यह हादसा हो गया और वहां से छात्रा के कुछ समय पहले गुजरने के बाद प्लास्टर के साथ फॉल्स सीलिंग का बड़ा हिस्सा जमीन पर आ गिरा। जोर की आवाज के बाद वहां हड़कंप मच गया।

ओडिशा में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का ओडिशा के नव निर्वाचित विधायकों ने जताया आभार

कहा- जीत में मुख्यमंत्री के चुनाव प्रचार का बड़ा योगदान

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज ओडिशा राज्य के नए मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी एवं उनके मंत्रिगणों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय से ओडिशा के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से आए अनेक नवनिर्वाचित विधायकों ने भुवनेश्वर में सौजन्य मुलाकात कर उनका आभार जताया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सभी का अभिवादन स्वीकार करते हुए भारतीय जनता पार्टी की सरकार के गठन पर शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पड़ोसी राज्य ओडिशा के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में सघन चुनाव प्रचार किया था और इन इलाकों में भाजपा प्रत्याशियों ने बड़े अंतर से जीत हासिल की है। इसी आशय के साथ ही ओडिशा के नव निर्वाचित विधायक मुख्यमंत्री श्री साय का आभार व्यक्त करने उनसे मिलने पहुंचे थे। मुख्यमंत्री श्री साय से विधायकों ने कहा कि छत्तीसगढ़ न केवल ओडिशा का पड़ोसी राज्य है, बल्कि प्रदेश का बड़ा इलाका छत्तीसगढ़ से अपनी सीमा साझा करता हैं। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच मजबूत सांस्कृतिक, सामाजिक संबंध है। बड़े पैमाने पर व्यापारिक गतिविधियां भी दोनों राज्यों के बीच संचालित होती हैं। दोनों राज्यों के हित परस्पर जुड़े हुए हैं, जिसका प्रभाव चुनाव पर भी पड़ता है। विधायकों ने मुख्यमंत्री श्री साय से कहा कि ओडिशा से आपका स्नेह सहज ही दिखता है। छत्तीसगढ़ में चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने के बाद आपने ओडिशा सहित अन्य राज्यों में लगातार चुनाव प्रचार किया। ओडिशा राज्य में आपके द्वारा किए गए चुनाव प्रचार के परिणाम स्वरूप 24 सालों से सत्ता पर काबिज नवीन पटनायक की सरकार को दर किनारे कर विधानसभा चुनाव में पहली बार पूर्ण बहुमत हासिल करने में कामयाब रही। लोक सभा चुनाव में भी पार्टी ने ओडिशा में 20 सीटें हासिल की है। मुख्यमंत्री ने विधायकों से कहा कि मुझे आप सभी से और ओडिशा की जनता से उतना ही स्नेह मिलता है, जितना मेरे छत्तीसगढ़ के नागरिकों से मुझे मिलता रहा है। ओडिशा में डबल इंजन की सरकार बन गई है। महाप्रभु श्री जगन्नाथ की कृपा से निश्चय ही ओडिशा तेजी से विकसित राज्य की श्रेणी में खड़ा होगा और प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के विकसित भारत के विजन को पूरा करने में महत्वपूर्ण साझेदारी करेगा।

जंगलों को आग से बचाने के लिए हुए व्यापक इंतजाम

रायपुर(समय दर्शन)। वनों का अग्नि से बचाव अत्यंत आवश्यक है। इसके मद्देनजर वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा प्रदेश के वन क्षेत्रों में आग से बचाने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इसके तहत 15 जून 2024 तक वनों को अग्नि से बचाव वन विभाग की प्राथमिकता में है। वन विभाग द्वारा इसके अंतर्गत प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय अरण्य भवन रायपुर में कन्ट्रोल रूम में टॉल फ्री नम्बर 18002337000 स्थापित किया गया है, जिस पर कोई भी व्यक्ति अग्नि घटनाओं की सूचना दे सकते हैं। इसी तरह समस्त वनमंडलों में भी वनमंडल कार्यालयों में अग्नि सुरक्षा हेतु कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जहां से अग्नि घटनाओं की सतत् निगरानी की जा रही है। वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अग्नि सीजन 15 फरवरी से प्रारंभ हो गया है तथा 15 जून 2024 तक वनों को अग्नि से बचाना विभाग की प्राथमिकता में है। अग्नि से जहां एक ओर प्राकृतिक पुनरूत्पादन के पौधे नष्ट हो जाते हैं वहीं दूसरी ओर वृक्षों की काष्ठ की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। अतएव वनों को अग्नि से बचाव अत्यंत आवश्यक है। अग्नि सुरक्षा हेतु समस्त वनमंडलों में अग्नि रेखाओं की कटाई, सफाई, जलाई की जा चुकी है। वन क्षेत्रों में अग्नि से सुरक्षा हेतु कैम्पा मद से समस्त बीटो में एक-एक अग्नि रक्षक की नियुक्ति की गई है। वनों में लगने वाली आग को बुझाने हेतु कर्मचारियों को आधुनिक उपकरण फायर ब्लोअर उपलब्ध कराया गया है। इसी तरह फारेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफसीआई) से फायर एलर्ट रजिस्टर कराए गए हैं। कर्मचारियों के मोबाइल नम्बरों पर एसएमएस के माध्यम से अग्नि घटना स्थल का जीपीएस निर्देशांक सीधे प्राप्त होता है। इस सूचना का उपयोग अग्नि नियंत्रण में प्रभावी रूप से किया जा रहा है। एफएमआईएस अरण्य भवन रायपुर द्वारा भी प्रतिदिन समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों को एसएमस के माध्यम से अग्नि घटना स्थल का जीपीएस निर्देशांक सूचित किया जा रहा है।

करोड़ों का नुकसान हुआ है इसकी भरपाई आरोपियों से ही कि जाएगी - डिप्टी सीएम विजय शर्मा

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार में 10 जून को हुई हिंसा घटना की समीक्षा की गई है. मामले में समीक्षा के बाद डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने घटना में हुई करोड़ो के नुकसान की भरपाई दोषियों से करवाने की बात कही है। इसके साथ ही उन्होंने बस्तर के जगरगुंडा में सड़क निर्माण को लेकर भी मीडिया से खुशी जाहिर की। न्यायिक जांच की घोषणा पर समाज था संतुष्ट: डिप्टी सीएम शर्मा उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बलौदाबाजार में हुई घटना के पीछे समाज से बाहरी लोगों का हाथ बताया है. उन्होंने कहा कि सामाजिक नहीं यह असामाजिक लोगों का काम है. उन्होंने बताया कि मामले में न्यायिक जांच की घोषणा किए जाने के बाद सतनामी समाज ने संतुष्टि जाहिर की थी। डिप्टी सीएम ने मामले आगे कहा, कि यह बहुत दुख का विषय है, यह नहीं लगता कि छत्तीसगढ़ के लोग हैं, इसमें बाहरी लोगों का हाथ है. उन्होंने कहा कि इस घटना योजनाबद्ध तरीके से की गई है. हाथ में पेट्रोल बोतल, डंडे-लाठी के साथ लोग नजर आए हैं. उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि 9 दिन और 9 रात मैं भी आंदोलन में बैठा था, लेकिन अंदर नहीं गया क्योंकि हमें अपनी सीमा पता है. लोकतंत्र में एक सीमा होती है, इसके आगे अराजकता होती है. सुंदर बिल्डिंग जला दी, किसी को क्या मिला..? डिप्टी सीएम शर्मा ने दो टूक शब्दों में कहा है, कि बलौदाबाजार में की गई आगजनी में करोड़ों का नुकसान हुआ है, तो इसकी भरपाई आरोपियों से ही की जाएगी। भाजपा की तरफसे मामले में कांग्रेसी नेताओं पर समाज को भड़काने के आरोप को लेकर भी बयान दिया है. उन्होने कहा कि जांच में जिन-जिन लोगों का नाम सामने आएगा, सभी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बस्तर के जगरगुंडा में सड़क को लेकर खुशी जाहिर की है. उन्होंने कहा, कि सड़क का निर्माण उन्नति के मार्ग को प्रशस्त करता है. इस सड़क के निर्माण में 15 साल से अधिक समय लगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की 257 सड़कें हैं जिस पर काम नहीं हुआ. दर्जन भर से अधिक पीडब्ल्यूडी की सड़क पर काम नहीं किया जा रहा था. अब राज्य की भाजपा सरकार ने पीडब्ल्यूडी की 81 और सड़कों को चिन्हांकित किया है. 30 सड़कों पर और सिक्योरिटी देकर काम शुरू किया गया है. यह पहल नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए है।

दोषी कोई भी हो बख़्शा नहीं जाएगा, उपद्रवियों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई-डिप्टी सीएम साव

रायपुर(समय दर्शन)। बलौदाबाजार में प्रदर्शनकारियों ने एसपी और कलेक्ट्रेट कार्यालय को आग के हवाले कर दिया और जमकर बवाल मचाया. इस उपद्रव और हिंसा मामले में सीएम मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से रिपोर्ट मांगी है. वहीं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने घटना की निंदा करते हुए दोषियों को पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है. उन्होंने सभी से शांति और सद्भावना बनाए रखने की अपील की है. उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने इस मामले पर कहा कि छत्तीसगढ़ शांति और सद्भावना का गढ़ रहा है. यहां इस प्रकार की घटना का इतिहास नहीं रहा है. ये परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी की धरती है. समाज को बदनाम करने वाले असामाजिक तत्वों ने यह षड्यंत्र किया है, इस घटना में जिन लोगों का हाथ है, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा. आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. मुख्यमंत्री साव ने कहा कि, सरकार ने इस घटना को बेहद गंभीरता से लिया है, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कल रात को ही उच्चस्तरीय बैठक ली और मामले की विस्तृत समीक्षा की है. उपमुख्यमंत्री ने कहा कि, घटना में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं. प्रशासन मुस्तैदी से जांच कर रहा है. सीएम ने समाज प्रमुखों से भी बातचीत की है. उन्होंने सभी से सौहाद्र और सद्भावना बनाए रखने की अपील की है. उपमुख्यमंत्री ने कहा कि, गृहमंत्री विजय शर्मा और अन्य वरिष्ठ मंत्रियों ने सभी उच्च अधिकारियों के साथ देर रात तक बलौदाबाजार में घटना स्थल का मुआयना किया है।

साय सरकार पांच सालों में करेगी कई गुना भर्ती-ओपी चौधरी

रायपुर(समय दर्शन)। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर नौकरी के हवाले से एक बार फिर हमला किया है. उन्होंने कहा कि पांच साल तक कोई भर्ती का काम नहीं किया. जो गिनी-चुनी, इक्की-दुक्की भर्तियां की, उसे घोटालों और माफ्रियाओं के नाम चढ़ा दिया. विष्णुदेव साय सरकार पांच साल में कांग्रेस के पांच सालों की तुलना में कई गुना ज्यादा भर्ती करके दिखाएगी. मंत्री चौधरी ने इसके साथ प्रदेश में खाद और बीज संकट को लेकर कहा कि अभी आचार संहिता के बीच में ही हमारे एपीसी लगातार संभागों में जाकर बैठक की हैं. हमारे कृषि मंत्री और अधिकारी इस पर लगातार काम कर रहे हैं. खाद-बीज की जहां भी जो भी दिक्कतें हैं, उसका तत्काल निराकरण कर लिया जाएगा. कहीं पर भी किसानों को कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी. मैं उम्मीद करता हूं कि ईश्वर इस बार मानसून को भी अच्छा रखेंगे. इससे छत्तीसगढ़ किसानों को अच्छा लाभ होगा.

)अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक रविशंकर प्रसाद का ईटानगर में विधायक दल की बैठक में भाग लेने के लिए पहुंचने पर स्वागत किया।

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव 2024 से पहले होगा वार्डों का परिसीमन

रायपुर(समय दर्शन)। विधनसभा और लोकसभा चुनाव के बाद नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई है. चुनाव से पहले प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में वार्डों का आबादी के हिसाब से परिसीमन किया जाएगा। ज्यादा आबादी वाले वार्डों के वोटर्स का नजदीक के कम आबादी वाले वार्डों में समायोजन किया जाएगा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों के नाम वार्डों के परिसीमन करने का आदेश जारी किया है. इस आदेश में वार्डों के परिसीमन के लिए जरुरी दिशा निर्देश दिए गए है. बता दें कि जनगणना निदेशालय द्वारा जनगणना 2011 के जनसंख्या संबंधी आंकड़ो के अनुसार प्रत्येक वार्डो की जनसंख्या में हुई वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए नये सिरे से वार्डो का परिसीमन किया जाएगा. परिसीमन के बाद वार्ड आरक्षण की कवायद होगी. शासन ने सभी कलेक्टरों को नगरीय निकायों के वार्डो के परिसीमन की कार्यवाही यथाशीघ्र सम्पन्न करने को कहा है, ताकि नगरीय निकाय चुनावों की समय-सीमा से पहले मतदाता सूची आदि तैयार किया जा सके. छत्तीसगढ़ के 33 जिलों में कुल 184 नगरीय निकाय है जिसमे 14 नगरपालिक निगम एवं 48 नगरपालिका परिषद और 122 नगर पंचायत है.

प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रयास के बच्चों की भागीदारी को बढ़ाने पर दें विशेष जोर: मंत्री रामविचार नेताम

गरीब और कमजोर वर्ग के बच्चों के विकास के लिए संवेदनशीलता के साथ किया जाए कार्य

शिक्षा का बेहतर वातावरण बनाकर खेल कूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी बच्चों को जोड़ा जाए

रायपुर(समय दर्शन)। आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग तथा अल्प संख्यक विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ के गरीब और कमजोर तबकों के बच्चों के विकास को दृष्टिगत रखते हुए प्रयास आवासीय विद्यालय को शुरू किया गया है। हर हाल में प्रयास के मूल उद्देश्य को पूरा किया जाना सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि प्रयास विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को प्रमुख रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल बनाना होता है। अत: संवेदनशीलता के साथ प्रयास के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं में भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जाए। उन्होंने कहा कि स्कूल और छात्रावास में शिक्षा के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने के साथ-साथ किचन, बेडरूम और बाथरूम को भी स्वच्छ रखा जाए। उन्होंने अपूर्ण अधोसंरचना कार्य समय-सीमा और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंत्री श्री नेताम आज मंत्रालय महानदी भवन में प्रयास आवासीय विद्यालयों के प्रगति और एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के संचालक समिति के प्रगति की समीक्षा के दौरान उक्त बातें कही। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि प्रयास आवासीय विद्यालय के बच्चों को बेहतर सुविधाएं देने के साथ ही शिक्षा का अच्छा वातावरण बनाने, खेल कूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रयास विद्यालयों में बच्चों का चयन प्रदेश स्तर पर आयोजित परीक्षा के माध्यम से होता है इसलिए इनका बौद्धिक स्तर अन्य बच्चों की तुलना में अच्छा है, परन्तु इसके बावजूद प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का प्रतिशत संतोषजनक नहीं है। अत: इस तरफ विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत है। बच्चों की पढ़ाई से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। यदि विद्यालय में विषय विशेषज्ञ पर्याप्त संख्या में नहीं हैं. तो नियमानुसार अतिथि शिक्षकों को नियुक्त किया जाए, ताकि परीक्षा परिणाम और बेहतर लाया जा सके। मंत्री श्री नेताम ने समीक्षा बैठक में कहा कि प्रयास विद्यालयों का हर महीने निरीक्षण होना चाहिए। इसके लिए मुख्यालय स्तर से अधिकारियों की डयूटी लगाकर चेकलिस्ट के अनुसार विद्यालय का निरीक्षण किया जाए, ताकि जो भी कमी परिलक्षित हो उसे सुधारा जा सके। प्रत्येक विद्यालय में भोजन कक्ष स्वच्छ होना चाहिए, शौचालय स्वच्छ होना चाहिए। इसके अलावा क्लासरूम, बच्चों का शयनकक्ष तथा विद्यालय के भीतर एवं बाहरी परिसर में साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने हेतु नियुक्त कोचिंग संस्था से सभी नॉर्म्स का पूरी कड़ाई से पालन करवाया जाना चाहिए, तभी ज्यादा से ज्यादा बचचों का चयन संभव हो सके। मंत्री श्री नेताम ने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालक समिति की बैठक में कहा कि नवोदय विद्यालय की तर्ज पर एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय को भी विकसित किया जाए। विद्यालय में मानव संसाधन की कमी को शीघ्र पूर्ण लिया जाए। एकलव्य विद्यालयों में शत-प्रतिशत सीट भरने का प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में विशेषकर कन्या विद्यालयों में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हो। होम गार्ड के जवानों के साथ-साथ मानक सुरक्षा एजेंसियों का भी सेवा नियमानुसार लिया जाना चाहिए। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि बच्चों के अच्छे पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ खेल कूद व अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ा जाए। संचालक समिति ने बैठक के दौरान प्रदेश के पांच स्थानों सरगुजा जिले के मैनपाट, धमतरी जिले के पथरीडीह, सूरजपुर के शिवप्रसाद नगर, नारायणपुर जिले के ओरछा और बीजापुर जिले के भैरमगढ़ में तीरंदाजी प्रशिक्षण केन्द्र खोलने का भी निर्णय लिया। उन्होंने बैठक में बच्चों के कैरियर काउंसलिंग कराने पर भी बल दिया।

संपादकीय

मौद्रिक नीति यथावत

भारतीय रिजर्व बैंक ने लगातार आठवीं बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है यानी केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों को 6.5 फीसद पर बनाए रखा है। रिजर्व बैंक ने आखिरी बार 4 फरवरी, 2023 को दर 0.25 फीसद बढ़ाकर 6.5 फीसद की थी। सात जून को आरबीआई के गर्वनर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिनी बैठक में लिए गए इस बाबत निर्णय की जानकारी देते हुए ब्याज दरों के यथावत रहने की घोषणा की यानी मकान, वाहन और अन्य कर्ज महंगे नहीं होंगे। समिति के छह में से चार सदस्यों ने ब्याज दरों को यथावत बनाए रखने जबकि दो सदस्यों ने इससे अलग राय जताई थी। दरअसल, आर्थिक वृद्धि दर मजबूत बनी हुई है जबकि मुख्य मुद्रास्फीति में नरमी से खुदरा महंगाई में लगातार कमी आ रही है। ईधन की महंगाई दर में भी कमी जारी है। इसलिए केंद्रीय बैंक के लिए ब्याज दरों को यथावत बनाए रखने में आसानी रही। लेकिन महंगाई की दर के अपेक्षित से ज्यादा बने रहना सरकार के लिए चिंता का सबब अवश्य है और वह महंगाई चार फीसद के मानक स्तर पर लाने के लिए बराबर सतर्कता बरत रही है। उसकी चुनौती इस मोर्चे पर कड़ी है क्योंकि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के मुताबिक 2023-24 में महंगाई 4.83 फीसद दर्ज की गई जो अपेक्षित स्तर से ऊंची है। इसके निकट भविष्य में नीचे आने की उम्मीद भी नहीं है। अलबत्ता, वर्ष के ज्यादातर समय इसके 4.5 फीसद के आसपास बने रहने का आकलन है। अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति में मुद्रास्फीति और आर्थिक वृद्धि की गति के मद्देनजर रिजर्व बैंक पहले ही पूर्वानुमान लगा चुका था कि मुद्रास्फीति 4.5 फीसद के आसपास रहेगी। बाजार का भी यही आकलन था। इस बीच, केंद्र में गठबंधन सरकार शपथ ले चुकी है। भले ही सरकार के रुख को लेकर अनिश्चितता है लेकिन इतना तय है कि सरकार का रुख लचीला रहेगा। वह कुछ डेफिसिट के साथ भी काम चलाना चाहेगी बशत्रे आम जन को सहूलियत मिले। मानसून निकट है, और अच्छा मानसून रहने के अनुमान से भी मौद्रिक मैकेनिज्म से दामों को काबू में रखने का उपाय कारगर माना जाएगा। यही कारण है कि रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति को यथावत रखने के साथ ही मुद्रास्फीति में कमी लाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई है। अलबत्ता, केंद्रीय बैंक निकट भविष्य में खाद्य मुद्रास्फीति में किसी भी बढ़ोतरी के जोखिम पर बराबर नजर रखेगा ताकि मुद्रास्फीति चार फीसद के स्तर पर लौटे।

शिक्षा और कौशल विकास

मौजूदा समय में शिक्षा और कौशल विकास के बीच तालमेल नहीं दिख रहा है। शिक्षा के माध्यम से कौशल का विकास होना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है। हमारे अकादमिक कल-कारखानों से लाखों की संख्या में डॉक्टर, इंजीनियर, एमबीए आदि की भारी-भरकम डिग्रियां लेकर युवा निकल रहे हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश कौशलयुक्त एवं ज्ञानवान नहीं हैं। ऐसे लोग किसी भी कार्य को कुशलतापूर्वक अंजाम तक नहीं पहुंचा पाते, लेकिन होनहार के लिए रोजगार की कमी नहीं है। तकनीकी एवं व्यावहारिक ज्ञान रखने वाले, भले ही डिग्री एवं अंग्रेजी के मामले में पीछे होते हैं, लेकिन वे हर किस्म की मुश्किलों को आसानी से सुलझा सकते हैं क्योंकि किसी कार्य को करने के लिए डिग्री से ज्यादा कौशल की जरूरत होती है। कौशल को विकसित करके युवा बिना किसी डिग्री के भी हर कार्य कुशलतापूर्वक कर सकते हैं। हमारे देश के स्कूल और कॉलेज के अध्यापकों का मानना है कि जो बच्चा लगातार हर परीक्षा में अव्वल आ रहा है, उसी को सिर्फ होनहार माना जा सकता है, जो छात्र इस कसौटी पर खरा नहीं उतर पाते हैं, उन्हें कमअक्ल माना जाता है। इसमें दो मत नहीं हैं कि स्कूल-कॉलेजों में प्राप्त अच्छे अंक छात्र-छात्राओं की पढ़ाई के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं किंतु इसका मतलब कदापि नहीं है कि हम इसे मेधावी होने या न होने का प्रमाण मानें। किसी विषय में कम या ज्यादा अंक प्राप्त करने से किसी भी छात्र को मेघावी या कमअक्ल नहीं माना जा सकता। हर विषय में हर छात्र की रु चि का होना जरूरी नहीं है। महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन की रुचि केवल भौतिक विज्ञान में थी। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। लता मंगेशकर की भी गणित या विज्ञान में रु चि नहीं थी। सचिन तेंदुलकर या महेंद्र सिंह धोनी का अकादमिक रिकॉर्ड बहुत खराब रहा है, लेकिन वे अपने क्षेत्र में महान हैं। दरअसल, यहां फंडा 'जब जागा तभी सवेरा' वाला है। जिन छात्रों के अंदर जीवन में सफलता हासिल करने की जिजीविषा जागृत हो जाती है वे हर कक्षा में तृतीय या द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण होने के बावजूद आईएएस की परीक्षा में शीर्ष 20 या 50 में स्थान बनाने में सफल हो जाते हैं। बारहवीं फेल फिल्म में एक ऐसे ही युवा की कहानी फिल्माई गई है। फिल्म 'थ्री इडियट' में दिखाए गए दर्शन को भी हम नकार नहीं सकते। जरूरी नहीं कि हर बच्चा इंजीनियर या डॉक्टर बने। दुनिया में करने के लिए इतने सारे क्षेत्र हैं कि आप किसी बच्चे को कमतर नहीं मान सकते। बस आपके दृष्टिकोण पर निर्भर करता है कि आप किसे होनहार मानते हैं। भारत में जो बच्चे कॉलेज तक लगातार अच्छे अंक लाकर नौकरी के लिए आवेदन करने लायक अर्हता अंक प्राप्त करने में सफल हो जाते हैं, उन्हें ही जहीन माना जाता है।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने 2013 में पहली बार प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के अंकों को सार्वजनिक किया था, जिसमें 1004 अभ्यर्थी सफल हुए थे और शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले प्रत्याशी ने समग्र रूप 53 प्रतिशत अंक हासिल किए थे जबकि अंतिम पायदान पर सफल रहने वाले अभ्यर्थी ने लिखित परीक्षा में 30 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। पूर्व में धारणा थी कि यूपीएससी की परीक्षा में 75 से 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी ही सफल होते हैं। मामला यूपीएससी तक सीमित रहे तो बात समझ में आए। हालात तो इतने बदतर हैं कि बैंक या अन्य निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों में कर्मचारियों की भर्ती हेतु आयोजित प्रतियोगी परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी 100 तो छोड़िए 60 प्रतिशत अंक भी स्कोर नहीं कर पाते हैं।

देश में इंजीनियरिंग, मेडिकल,आईटीआई एवं अन्य रोजगारपरक शिक्षा की शुरु आत जरूर की गई है, लेकिन इन पाठ्यक्रमों की सार्थकता नाममात्र की है, क्योंकि यहां से पढ़कर बाहर निकलने के बाद भी अधिकांश युवा कौशलहीन होते हैं, जबकि हुनरमंद युवा देश के समावेशी विकास को सुनिश्चित करने में आगे रहते हैं।

आसान नहीं होगा तीसरा कार्यकाल

जीत द्विवेदी

नरेंद्र मोदी का प्रधानमंत्री के तौर पर तीसरा कार्यकाल शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री स्वंय और भाजपा के अन्य नेता खूब आत्मविश्वास दिखा रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि सरकार के संचालन में कोई समस्या नहीं होगी। परंतु हकीकत उनको भी पता है। इस बार मोदी के लिए कामकाज पहले दो कार्यकाल की तरह आसान नहीं होगा। यह कहने का कतई यह आशय नहीं है कि उनके प्रधानमंत्री बने रहने में कोई समस्या आएगी। अगले पांच साल में उनकी सत्ता को कोई समस्या नहीं होगी।

भाजपा की तरफ से या सहयोगी पार्टियों की ओर से सत्ता के लिए खतरा नहीं पैदा किया जाएगा। परंतु सरकार निरंतर दबाव में रहेगी, जिसकी आदत नरेंद्र मोदी को नहीं रही है। इस साल अक्टूबर में वे सत्ता के 23 साल पूरे करेंगे। वे अक्टूबर 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे। शुरुआती कुछ चुनौतियों को छोड़ दें तो 2002 से दूसरा कार्यकाल शुरू होने के बाद से लेकर अभी तक उनका राज एकछत्र रहा है। कभी गठबंधन की परवाह करने की उनको जरुरत नहीं रही और न उनके ऊपर कोई आलाकमान रहा। गुजरात में भी वे सत्ता राज्य के प्रधानमंत्री की तरह ही संभालते रहे।

यह पहली बार है, जब वे अपने ऊपर दबाव महसूस करेंगे। अभी तो सारी चीजें अच्छी दिख रही हैं और पार्टी का भी समर्थन दिख रहा है। आरएसएस की ओर से भी कुछ नहीं कहा जा रहा है और सहयोगी पार्टियां भी बिना शर्त समर्थन दे रही हैं। लेकिन एक बार हनीमून पीरियड खत्म हुआ और कामकाज रूटीन में लौटा तो रोजमर्रा के कामकाज को लेकर भी दबाव और चुनौतियां सामने आने लगेंगी। सबसे पहली चुनौती सहयोगी पार्टियों के मंत्रियों के निजी स्टाफ की नियुक्ति, उनके विभागीय सचिवों की नियुक्ति और उनके स्वायत्त होकर काम करने की मांग को लेकर होगी। अगर एक बार ऐसी स्वायत्तता सहयोगी पार्टियों के मंत्रियों को मिली तो खरबूजे को देख कर खरबूजा रंग बदलता के अंदाज में भाजपा के अपने मंत्री भी पूरी नहीं तो आंशिक स्वायत्तता की मांग कर सकते हैं और नहीं मिलने पर विरोध जता सकते हैं।

ध्यान रहे अभी तक मंत्रियों को निजी स्टाफ और उनके मंत्रालयों के विभागीय सचिवों की नियुक्ति केंद्रीकृत तरीके से होती रही है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली नियुक्ति समिति सारी नियुक्तियां करती हैं। इस समिति में प्रधानमंत्री के अलावा राजनाथ सिंह और अमित शाह सदस्य थे। एकाध मंत्रियों को छोड़ दें तो शायद ही कोई मंत्री पसंदीदा सचिव या स्टाफ की मांग कर सकता था। लेकिन सहयोगी पार्टियों के मंत्रियों के साथ यह रूटीन काम नहीं करने वाला है।

सहयोगी पार्टियों के कई ऐसे नेता मंत्री बने हैं, जो मंत्रालयों के कामकाज से पहले से वाकिफ हैं और नौकरशाही की समझ भी रखते हैं। वे अपने राज्य के भरोसेमंद अधिकारियों को रखने की जिद कर सकते हैं। ऐसा होने पर सरकार के कामकाज पर कैबिनेट सचिवालय और प्रधानमंत्री सचिवालय की जो आइरन ग्रिप है वह कमजोर पड़ेगी। इससे सब कुछ एक जगह से संचालित होने और एक ही नेता को हर काम का श्रेय मिलने की अब तक चली आ रही परंपरा भी खत्म हो जाएगी।

दूसरी चुनौती यह है कि सहयोगी पार्टियों के नेता खास कर दो बड़ी सहयोगी पार्टियों, जनता दल यू और तेलुगू देशम पार्टी की ओर से क्षेत्रीय आकांक्षा को ज्यादा महत्व दिया जाएगा। उनका रूझान अपने राज्य की ओर ज्यादा होगा। वे अपने राज्य के लिए ज्यादा से ज्यादा फंड लेने और विकास के काम करने का प्रयास करेंगे। इससे भी संतुलन प्रभावित होगा। ध्यान रहे तेलुगू देशम पार्टी ने आंध्र प्रदेश के लिए और जनता दल यू ने बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे की मांग भी की है। अगर विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलता है तो ये दोनों पार्टियां विशेष पैकेज की मांग करेंगी। यानी मंत्रालय के स्तर पर एक पूर्वाग्रह होगा और समर्थन हासिल करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पैकेज देने की जरुरत भी होगी। इससे क्षेत्रीय आकांक्षाओं और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं या हितों के बीच टकराव पैदा होगा। प्रधानमंत्री के नाते मोदी की प्राथमिकताएं राष्ट्रीय होंगी और उनको भाजपा शासित राज्यों का भी ध्यान रखना होगा। तीसरी चुनौती कुछ विवादित मुद्दों या नीतियों को लेकर है। सेना में भर्ती की अग्निवीर योजना भी इसमें शामिल है। इसमें बदलाव की बात शुरू हो चुकी है। जनता दल यू की ओर से कहा गया कि इस पर विचार की जरुरत है तो बिहार की पांच सांसदों वाली लोक जनशक्ति पार्टी की ओर से भी इसका समर्थन किया गया है। अगर जदयू, लोजपा और टीडीपी तीनों पार्टियां इस मुद्दे पर एक साथ आती हैं तो सरकार को इस पर विचार करना होगा। भले इसे पूरी तरह से समाप्त नहीं किया जाए लेकिन इसकी सेवा शर्तों को बेहतर बनाने की बात हो सकती है। ध्यान रहे विपक्षी पार्टियों को कई मुद्दों पर सरकार की फॉल्टलाइन का पता है।

विपक्ष को अंदाजा है किन मुद्दों पर भाजपा की सहयोगी पार्टियों को सरकार के खिलाफ खड़ा किया जा सकता है। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके ने नीट को इसमें शामिल किया है। एमके स्टालिन की पार्टी ने जेडीयू और टीडीपी दोनों से मांग की है कि वे मेडिकल में दाखिले के लिए होने वाली परीक्षा नीट को समाप्त करने के लिए सरकार पर दबाव बनाए। ध्यान रहे अभी नीट की परीक्षा में हुई बड़ी गड़बड़ी सामने आई है, जिसके बाद से इस पर सवाल उठ रहे हैं। टीडीपी को इस मसले पर डीएमके का साथ देने में समस्या नहीं होगी। ऐसे ही मुसलमानों के आरक्षण का मामला है। टीडीपी अपने राज्य में मुसलमानों को आरक्षण बनाए रखने के पक्ष में है और नीतीश भी इसके समर्थन में हैं।

चौथी चुनौती मजबूत विपक्ष की है। आजाद भारत के इतिहास में पहली बार इतना मजबूत विपक्ष लोकसभा में बैठेगा। पिछली बार भाजपा के 303 सांसद थे और एनडीए के सांसदों की कुल संख्या साढ़े तीन सौ के करीब थी लेकिन ऐसा नहीं था कि बाकी दो सौ सांसद विपक्ष में थे। उसमें बीजू जनता दल के 12 और जगन मोहन के 22 सांसद तटस्थ रुख रखते थे और मुद्दों के आधार पर सरकार को समर्थन देते थे। इनके अलावा भाजपा विरोधी ज्यादातर पार्टियां एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ कर आई थीं। तभी वास्तविक विपक्ष एक सौ से भी कम सांसदों का था।

लेकिन इस बार गठबंधन बना कर साढ़े चार सौ से ज्यादा सीटों पर विपक्ष ने चुनाव लड़ा और 204 सांसद 'इंडिया' ब्लॉक के चुन कर आए हैं। किसी विपक्षी पार्टी या चुनाव पूर्व विपक्षी गठबंधन की यह अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। इसमें ममता बनर्जी के 29 सांसदों को जोड़ दें तो विपक्ष की संख्या 233 हो जाती है। यानी 293 का पक्ष और 233 का विपक्ष। इतने मजबूत विपक्ष के होते सरकार के लिए मनमाने फैसले करना मुश्किल होगा। विधायी कामकाज में भी सरकार को विपक्ष के साथ सहमति बना कर ही फैसला करना होगा। यह भी संभव है कि सत्तापक्ष की कुछ पार्टियां या सांसद मुद्दा विशेष के आधार पर विपक्ष के साथ हो जाएं तो सरकार के लिए और मुश्किल होगी।

इस साल जिन राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं उनमें से महाराष्ट्र में गठबंधन को लेकर अनिवार्य रूप से खींचतान होगी। कैबिनेट मंत्री पद को लेकर अजित पवार की पार्टी के साथ विवाद शुरू भी हो गया है। अगले साल बिहार में भी चुनाव है और वहां भी गठबंधन के अंदर तनाव बढ़ सकता है। इस राजनीतिक चुनौती से निपटना भी एक बड़ा काम होगा। एक अन्य राजनीतिक चुनौती भाजपा और आरएसएस के संबंधों को साधने की होगी। अभी तक आरएसएस की ओर से सरकार और पार्टी के कामकाज में कोई दखल नहीं दिया जाता था। एक चुनौती आर्थिक सुधारों और विनिवेश की प्रक्रिया को लेकर रहेगी। ऐसा लग रहा है कि इस दिशा में कोई बड़ी पहल नहीं होगी।

वैचारिक मतभेदों को व्यक्त करने का घृणित तरीका

प्रियंका सौरभ

वैचारिक मतभेदों को व्यक्त करने का घृणित तरीका, खासकर जब आप वर्दी पहने हों। 'शर्मिंदगी और हैरानी इस बात की है कि ये काम सीआईएसएफ की सुरक्षाकर्मी ने किया है जो लोगों की सुरक्षा के लिए होते हैं। क्या ये कंगना के खिलाफ चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर प्लांड अटैक है। सांसद पर चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर हुआ हमला बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है, खासकर एक सुरक्षाकर्मी द्वारा, जिन पर सुरक्षा का जिम्मा होता है। अपनी शिकायत को रखने का और भी सभ्य तरीका होता है।' भारतीय राजनीति और सामाजिक जीवन में हम अक्सर इस तरह की घटनाओं के बारे में सुनते हैं। 'थप्पड़' कहने से हिंसा की गंभीरता कम होती है और हिंसा के शिकार की कमजोरी ज्यादा उजागर होती है। थप्पड़ से किसी की जान नहीं जाती, उसकी निष्कवचता अधिक प्रकट होती है। उसमें किसी योजना की जगह एक प्रकार की स्वतस्फूर्तता का तत्व होता है। कहा जा सकता है कि थप्पड़ मारने वाले की मंशा सिर्फ नाराजगी का इजहार होता है। राजनीति और सिस्टम (लोकतंत्र या तानाशाही) में विरोध जायज है और यही विरोध तरह तरह के स्वरूपों में हमारे सामने आता रहता है। थप्पड़ या स्याही हमला भारतीय राजनीति में कोई नया किस्सा नहीं है। पहले भी हमारे नेता इन हमलों का दंश झेलते रहे हैं। इतना ही नहीं कई नेताओं पर जूता उछाले जाने की घटनाएं भी हुई हैं। लोकतंत्र लोगों को विरोध प्रदर्शन की आजादी देता है और लोग विरोध के नए-नए तरीके खोज लाते हैं। कभी विरोध में अंडे, टमाटर फेंके जाते हैं, तो कभी जूते-चप्पल 'कंगना ने किसान आंदोलन के खिलाफ में कुछ बोला तो सीआईएसफ की कांस्टेबल ने आज कंगना पर हमला कर दिया। ये कहां तक उचित है? जो लोग इसे सही ठहरा रहे हैं वे ये समझ लें कि रक्षक को भक्षक नहीं बनना होता है। आपकी व्यक्तिगत सोच और विचारधारा आपकी ड्यूटी के बीच में नहीं आनी चाहिए। देशभर में दर्जनों नेता हैं जो सेना के खिलाफ बोलते आए हैं। कभी सिक्यूरिटी के दौरान किसी सैनिक की भावना उसकी ड्यूटी के बीच आ गई तो ऐसे नेताओं का वहीं हिसाब हो जाएगा। धारा 370, राम मंदिर जैसे मुद्दों पर कई नेताओ और सेलिब्रिटीज़ के घटिया और भद्दे बयान सबके सामने हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ अगर हर सुरक्षाकर्मी सिक्युरिटी के दौरान अपनी भवनाएं दिखाने लगा तो बहुत बड़ी दिक्कत हो जाएगी। मुझे तो ये समझ नहीं आ रहा है कि लोग कैसे इस महिला के एक्ट को जस्टिफाई कर सकते हैं। क्या लोग ये भूल गए कि ऐसे ही दो सुरक्षा कर्मचारियों की भावनाएं उनकी ड्यूटी के बीच आ गई थी जिसकी वजह से इंदिरा गांधी की हत्या हुई। हिंसा की भर्त्सना बिना शर्त जब तक न की जाएगी, जब तक उसके लिए कोई औचित्य तलाशा जाता रहेगा और जब तक वह विचारधारा के आधार पर सही या गलत मानी जाएगी, उसकी पुनरावृत्ति होती रहेगी। संचार माध्यमों द्वारा हिंसा को नयनाभिराम बनाकर अगर उपभोग्य बना दिया गया तो वह फिर बार-बार 'अदा' की जाएगी और अपनी भयावहता भी खो बैठेगी। वह लोकतंत्र का सबसे सबसे खतरनाक क्षण होगा। देश का हर नेता किसी न किसी के बारे में आए दिन जहर उगलता रहता है। अगर हर नेता की बात पर सुरक्षा बलों के जवान इसी तरह रिएक्ट करना शुरू कर दें तो देश की व्यवस्था का क्या होगा? क्या इसको बढ़ावा देना उचित है? क्या कल को और कोई नहीं ऐसे किसी नेता या पब्लिक फिगर पर हाथ उठेगा? क्या गारंटी है कि कल को यही घूम कर सभी के पास आएगा। थप्पड़ मारने को उचित नहीं कहा जा सकता, साथ ही ऐसे गुस्से को भी सुनना तो पड़ेगा, सुनना चाहिए। राजनेताओं को समझना चाहिए कि पीड़ित जनता की भावनाओं के प्रति यदि वे न केवल संवेदनहीन बल्कि क्रूर व अमानवीय रवैया अपनाएंगे तो जनता अपनी हताशा किसी रूप में तो व्यक्त करेगी। किसी को थप्पड़ मारना अपराध है। इस तरह के मामलों में पुलिस आईपीसी के सेक्शन 323 के तहत केस दर्ज करती है। उन्होंने आगे कहा कि आईपीसी के सेक्शन 323 के तहत अगर कोई अपनी इच्छा से किसी को चोट या नुकसान पहुंचाता है, तो ऐसा करने पर उसे 1 साल की जेल हो सकती है। साथ ही 1 हजार रु पये का जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है, लेकिन अगर ये बात सामने आती है कि किसी ने बदसलूकी की और फिर ये घटना हुई तो अदालत सजा को बदल भी सकती है या मामले को ही खारिज कर सकती है। देश का हर नेता किसी न किसी के बारे में आए दिन जहर उगलता रहता है। अगर हर नेता की बात पर सुरक्षा बलों के जवान इसी तरह रिएक्ट करना शुरू कर दें तो देश की व्यवस्था का क्या होगा? अपनी ड्यूटी निभाते हुए यह करना क्या उचित है?

अपने सांसदों की जुबानी जंग पर अखिलेश यादव क्यों चुप?

अजय कुमार

राजनैतिक दलों के भीतर हार के बाद हाहाकार होते तो कई बार देखा गया है, लेकिन रिकार्ड जीत के पश्चात भी पार्टी की टॉप लीडरशिप के बीच हंगामा खड़ा हो जाये तो उस पर लोग चटकारे तो लेते ही हैं। बात समाजवादी पार्टी के जेल में बंद दिग्गज नेता आजम खान और रामपुर के नये नवेले सांसद के बीच टकराव की हो रही है, जिसमें अखिलेश की खामोशी बड़ा फैक्टर नजर आ रहा है। कहने को, यह दो दिग्गजों का अपना मत हो सकता है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसे सपा में चल रही गुटबाजी के चलते वर्चस्व का कारण माना जा रहा है, जिसके भविष्य में और भी तूल पकड़ने की संभावना है।दरअसल, लोकसभा चुनाव के परिणाम को आए अभी हफ्ता भर हुआ है और सपा के दो सांसदों में पार्टी महासचिव आजम खां को लेकर जुबानी जंग छिड़ गई है। यह बात पार्टी फेरम में होती, तो ठीक थी। बयानबाजी सार्वजनिक रूप से की गई है। रामपुर के नवनिर्वाचित सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने आजम खान को सुधार गृह में बताते हुए दुआ की जरूरत बताई। जबकि मुरादाबाद की सांसद रुचि वीरा ने आजम से मिलने जाने की बात कहते हुए मोहिबुल्लाह को ही अपरिपक्व बता दिया। वैसे यह झगड़ा चुनाव के दौरान भी दबी जुबान से समाजवादी नेताओं के बीच चर्चा का विषय रहा था।

दरअसल, रामपुर में आजम खां का मजबूत सियासी दुर्ग रहा है। वह खुद तो लंबे अरसे तक विधायक और सांसद रहे, अपने बेटे और करीबियों को भी उन्होंने लखनऊ के सदन तक पहुंचाया है। पत्नी को भी राज्यसभा सदस्य बनवाया। रामपुर में सपा का मतलब आजम ही माने जाते रहे हैं, लेकिन इस बार रामपुर में अखिलेश ने आजम की इच्छा के विरूद्ध नदवी को टिकट दिया था। ऐसा इसलिये हो पाया था क्योंकि 2019 के बाद से आजम खान पर ताबड़तोड़ मुकदमे दर्ज होने के बाद उनके दुर्ग में कई नेता सेंधमारी में लगे हुए हैं। स्थिति यह हुई कि इस लोकसभा चुनाव में उनकी मंशा के विपरीत सपा के शीर्ष नेतृत्व ने मोहिबुल्लाह को सपा प्रत्याशी बनाया और आजम खेमे के विरोध के बाद भी उन्हें रिकॉर्ड मतों से जिता लिया गया।

बताते चलें अबकी से नवाब खानदान और आजम परिवार इस चुनाव से सीधे नहीं जुड़े थे, इसलिए पहले से ही माना जा रहा था कि जीतने वाला रामपुर की राजनीति को धार देने वाला नया धुरंधर होगा। मोहिबुल्लाह नदवी के आजम को सुधार गृह में बताना इसी दिशा में एक कदम माना जा रहा है। नदवी की आजम के खिलाफइतनी घटिया बयानबाजी करने की हिम्मत इस लिये बढ़ी क्योंकि वह आजम की मर्जी के बिना चुनाव जीतने में सफल रहे थे। आजम खेमे के विरोध के बाद भी उन्होंने रामपुर में जीत हासिल की। जिस रामपुर के मुस्लिम मतदाता कभी आजम खां के साथ रहते थे, आज वह मोहिबुल्लाह के साथ हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि अपना वर्चस्व कायम रखने के लिए अपनी अलग पहचान के लिए यह बयान उनकी रणनीति का हिस्सा है, क्योंकि सपा के जिलाध्यक्ष, प्रदेश के दो सचिव और विधायक भी आजम खां के इशारे पर ही पार्टी के विरोध में आ गए थे और चुनाव बहिष्कार करने तक की घोषणा कर दी थी। उधर, मुरादाबाद की नई नवेली सांसद रुचि वीरा ने रामपुर के निर्वाचित सांसद को अपरिपक्व बताकर जाहिर कर दिया कि वह आजम खां के साथ खड़ी हैं। रूचि वीरा को बेहद नाटकीय ढंग से मुरादाबाद के उस समय के सांसद का ऐन मौके पर टिकट काट कर मैदान में उतारा गया था। उन्हें यह टिकट आजम खां की पैरवी से ही टिकट मिला था। पार्टी में मजबूत पकड़ बनाए रखने के लिए उन्हें इस सहारे की जरूरत भी है, लेकिन मुरादाबाद की राजनीति में इसके साइड इफेक्ट हो सकते हैं, क्योंकि निवर्तमान सांसद डा. एसटी हसन अपना टिकट कटने की वजह आजम खां को ही मानते हैं। उन्होंने चुनाव में रुचि वीरा का विरोध तो नहीं किया, लेकिन समर्थन भी नहीं दिया। वह पूरे प्रचार के दौरान घर पर ही बैठे रहे। इसके अलावा मुरादाबाद और आसपास के जिलों में सक्रिय पार्टी के मुस्लिम नेताओं की एक लॉबी अंदरखाने आजम के बजाए पार्टी में अपना वर्चस्व चाहती है। उसने एसटी हसन को टिकट दिलाने को एड़ी से चोटी का जोर भी लगाया था। ऐसे में यह लॉबी रुचि वीरा की राह में आगे चलकर रोड़ा पैदा कर सकती है।

खून की कमी होगी दूर

एनीमिया के मरीजों के लिए फायदेमंद हैं ये योगासन

एनीमिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं (RBC) या हीमोग्लोबिन की कमी हो जाती है। एनीमिया के कारण शरीर के ऊतकों और अंगों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती, जिससे कमजोरी और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। एनीमिया आयरन की कमी, विटामिन बी12 और फोलिक एसिड की कमी, अत्यधिक रक्तस्त्राव, क्रॉनिक डिजीज जैसे, कैंसर और अल्प उत्पादन के कारण हो सकती है।

योग शरीर और मस्तिष्क को स्वस्थ रखने का एक अच्छा जरिया है। योग के माध्यम से कई रोगों से बचाव किया जा सकता है, तो वहीं किसी बीमारियों के जड़ से इलाज में भी योग क्रियाएं असरदार है। अगर आप भी खून की कमी यानी एनीमिया की शिकायत से पीड़ित हैं तो दवाओं व खानपान के जरिए इस रोग का इलाज करने के साथ ही जड़ से एनीमिया को खत्म करने के लिए योग का सहारा ले सकते हैं। यहां कुछ ऐसे योगासनों के बारे में बताया जा रहा है, जो एनीमिया के रोगियों के लिए फायदेमंद हैं।

सर्वांगासन

सर्वांगासन योग शरीर के हर हिस्से के लिए फायदेमंद होता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से रक्त शरीर के निचले हिस्से और निचले हिस्से का रक्त शरीर के ऊपरी हिस्से में आसानी से पहुंचता है। सर्वांगासन ब्लड सर्कुलेशन के लिए फायदेमंद है।

प्राणायाम

खून की कमी को दूर करने के लिए प्राणायाम का अभ्यास कर सकते हैं। इसमें सूर्यभेद प्राणायाम, अनुलोम-विलोम प्राणायाम का अभ्यास असरदार

है। ये प्राणायाम शरीर में रक्त के विकार तेजी से दूर करते हैं।

नोटः यह लेख योग विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर तैयार किया गया है। आसन की सही स्थिति के बारे में जानने के लिए किसी योगगुरु से संपर्क कर सकते हैं।

हाई कोलेस्ट्रॉल के आंख और हाथों में भी नजर आते हैं लक्षण, तुरंत दें इनपर ध्यान

कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने को हृदय रोगों का प्रमुख कारण माना जाता है। बैड कोलेस्ट्रॉल धमनियों में जमाव का कारण बनते हैं जिससे हृदय तक पर्याप्त मात्रा में रक्त का संचार नहीं हो पाता है। इस स्थिति में हृदय संबंधी कई बीमारियों के साथ हार्ट अटैक जैसी जानलेवा समस्याओं का जोखिम भी काफी बढ़ जाता है। संपूर्ण स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने वाले उपाय करते रहने की सलाह देते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, खराब दिनचर्या और आहार में गड़बड़ी के कारण कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने का जोखिम रहता है। इसे नियंत्रित रखने के उपाय करने के साथ समय रहते कोलेस्ट्रॉल के लक्षणों पर ध्यान देना भी जरूरी है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के संकेत शरीर के कई अंगों में देखे जा सकते हैं।

आइए जानते हैं कि आंखों से लेकर पैरों में होने वाले किन बदलावों के आधार पर जान सकते हैं कहीं आपका भी कोलेस्ट्रॉल तो नहीं बढ़ा हुआ है?

हाई कोलेस्ट्रॉल के लक्षण

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हाई बैड कोलेस्ट्रॉल के लक्षणों को समय पर पहचानना जरूरी है क्योंकि शुरुआती पहचान से ही प्रभावी प्रबंधन संभव है। आमतौर पर कोलेस्ट्रॉल बढ़ने को सीने में दर्द और सांस लेने में कठिनाई जैसी समस्याओं के रूप में जाना जाता रहा है। इन लक्षणों के अलावा आपको पैरों-आंखों में भी कई दिक्कतें हो सकती हैं जो इस बात के संकेत हो सकती हैं कि आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ा हुआ है।

पैरों में ऐंठन-सुन्न होने की समस्या

क्या आपको अक्सर पैरों में दर्द और झुनझुनी या सुन्नपन महसूस होता है, खासकर रात में? यह खतरनाक रूप से उच्च एलडीएल कोलेस्ट्रॉल से संबंधित हो सकता है। हाई कोलेस्ट्रॉल के कारण रक्त परिसंचरण में होने वाली कमी की वजह से पैरों में झुनझुनी और दर्द की समस्या बनी रह सकती है। अगर आपको लंबे समय तक इस तरह की दिक्कतों का अनुभव हो रहा है तो सावधान हो जाइए।

आंखों के आसपास पीले उभार

उच्च कोलेस्ट्रॉल के लक्षण आपकी आंखों और इसके आसपास भी देखे जा सकते हैं। आंखों के आस-पास फैटी, पीले रंग का उभार दिख रहा है तो आपको सावधान हो जाने की जरूरत है। इस स्थिति को जैंथेलास्मा कहा जाता है।कोलेस्ट्रॉल के आंखों में दिखने वाले इन संकेतों पर ध्यान देना जरूरी है।

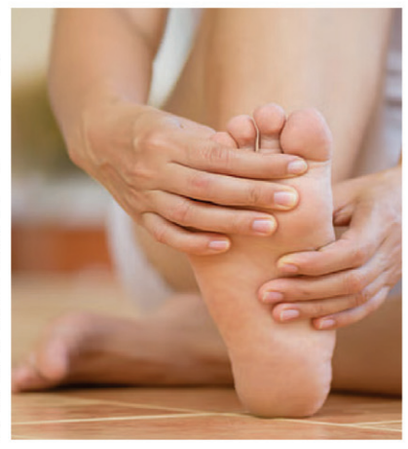

पैरों में सूजन और त्वचा में बदलाव

पैरों-टखनों में सूजन बने रहने को भी उच्च कोलेस्ट्रॉल के लक्षण के तौर पर जाना जाता है। इसके अलावा आपको त्वचा में परिवर्तन भी महसूस हो सकता है जैसे कि पैरों के रंग में बदलाव। रक्त वाहिकाओं में कोलेस्ट्रॉल जमा होने से त्वचा के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जिससे बनावट और दिखावट में स्पष्ट परिवर्तन नजर आते हैं। त्वचा परिवर्तन में किसी भी प्रकार के अप्रत्याशित परिवर्तन को अनदेखा न करें, अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

कम पैसे में घर पर तैयार कर सकते हैं 5 तरह की सनस्क्रीन

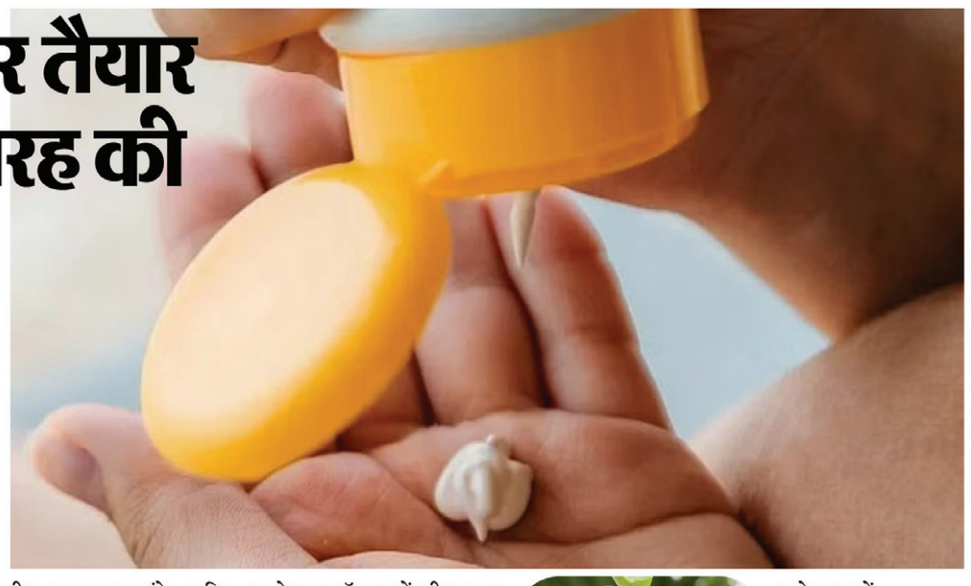

तेज चिलचिलाती धूप की हानिकारक यूवी किरणों से त्वचा का बचाव करना बेहद जरूरी होता है। अगर धूप से त्वचा को न बचाया गया तो टैनिंग, सनबर्न और कई बार तो सन पॉइजनिंग जैसी गंभीर समस्या भी सामने आने लगती हैं। धूप से त्वचा को बचाने का सबसे सही तरीका होता है एक तो खुद को पूरी तरह से कवर करके बाहर निकलना। वहीं इससे बचने का अहम और दूसरा तरीका होता है सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना।

इस मौसम में सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी होता है। सनस्क्रीन आपको कई प्रकार की समस्याओं से दूर रखती है, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि ये अच्छा असर दिखाने की बजाए त्वचा को नुकसान पहुंचा देती है। ऐसे में आप चाहें तो घर पर बिना केमिकल वाली सनस्क्रीन तैयार कर सकते हैं। इस लेख में हम आपको घर पर ही बिना केमिकल वाली सनस्क्रीन बनाना बताएंगे, ताकि आप कम पैसे खर्च किए अपने लिए सनस्क्रीन तैयार कर सकें।

पहली सनस्क्रीन

इसे बनाने के लिए आपको हल्दी और एलोवेरा जेल की जरूरत पड़ेगी। सनस्क्रीन को बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल लें। अब इसमें थोड़ी ही हल्दी डालकर इसका पेस्ट तैयार करें। इसे आप हर रोज अपने शरीर पर लगा सकते हैं। अगर आप इसके आइस क्यूब जमाकर रख लेंगे तो भी ये आपको टैनिंग से बचाएगी।

दूसरी सनस्क्रीन

दूसरी तरह की सनस्क्रीन को बनाने के लिए आपको 1/2 कप शीया बटर, 1/4 कप बादाम तेल और 2 टेबलस्पून जिंक ऑक्साइड पाउडर की जरूरत पड़ेगी। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक बॉयलर में शीया बटर को पिघलाएं। जब शीया बटर पिघल जाए, तो बादाम का तेल मिलाएं। ठंडा होने के बाद इसमें जिंक ऑक्साइड पाउडर मिलाएं। अब आप इसे स्टोर करके रख सकते हैं और लंबे समय तक इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

तीसरी सनस्क्रीन

इसे बनाने के लिए आपको तिल का तेल और आम के बटर की जरूरत पड़ेगी। आम का बटर इसकी गुठली से तैयार किया जाता है। इसके इस्तेमाल से आप त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचा सकते हैं। इसे बनाने के लिए एक कटोरी में तिल का तेल लें। अब इसमें दो चम्मच आप का बटर, 1 चम्मच रस रास्पबेरी तेल और आखिर में थोड़ा सा जिंक पाउडर मिलाएं। जब ये सही से मिक्स हो जाए तो इसे ठंडा होने दें और फिर रोजाना इसका

इस्तेमाल करें।

चौथी सनस्क्रीन

इसे बनाना काफी आसान है। इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले 3 बड़े चम्मच कोको बटर को पिघलाएं। अब इसमें दो बड़े चम्मच बादाम का तेल और फिर जिंक पाउडर डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें। इसे आप फ्रिज में स्टोर करके रख सकते हैं।

पांचवी सनस्क्रीन

इसे बनाने के लिए आपको एक चम्मच एलोवेरा जेल, आधा चम्मच सूरजमुखी का तेल, एक चौथाई कप पानी और 3-4 चम्मच जिंक ऑक्साइड की जरूरत पड़ेगी। इसका पेस्ट तैयार करके इसे आप रोजाना अप्लाई कर सकते हैं। ये आपको सूरज की हानिकारक किरणों से बचाएगा।

हेयर जेल फ्रिजी बालों से ना हों परेशान, घर पर बनाएं ये हेयर जेल

अमूमन यह देखने में आता है कि जब गर्मी में बाल फ्रिजी होने लगते हैं तो हम तरह-तरह के हेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना शुरू कर देते हैं। जबकि आपको बालों को नेचुरल तरीके से पैम्पर करना चाहिए। रूखे व फ्रिजी हेयर को मैनेज करने के लिए आप घर पर ही हेयर जेल बनाकर उसका इस्तेमाल करें।

गर्मी के मौसम में हमें बालों की कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इनमें से रूखे व फ्रिजी हेयर की समस्या बेहद आम है। गर्मी के मौसम में जब ह्यूमिडिटी बढ़ जाती है, तो बालों का मॉइश्चर कहीं खोने लगता है और वे रूखे व फ्रिजी हो जाते हैं। इतना ही नहीं, जब इस मौसम में बाल चिपचिपे हो जाते हैं तो ऐसे में हम उन्हें बार-बार धोते हैं। ओवरवॉशिंग के कारण भी बालों का नेचुरल ऑयल कहीं खो जाता है और वे रूखे व बेजान नजर आने लगते हैं।

अमूमन यह देखने में आता है कि जब गर्मी में बाल फ्रिजी होने लगते हैं तो हम तरह-तरह के हेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना शुरू कर देते हैं। जबकि आपको बालों को नेचुरल तरीके से पैम्पर करना चाहिए। रूखे व फ्रिजी हेयर को मैनेज करने के लिए आप घर पर ही हेयर जेल बनाकर उसका इस्तेमाल करें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको रूखे व फ्रिजी हेयर के लिए हेयर जेल बनाने

के बारे में बता रहे हैं-

एलोवेरा से बनाएं हेयर जेल

एलोवेरा अपने हाइड्रेटिंग गुणों के लिए जाना जाता है, इसलिए यह रूखे बालों को नमी प्रदान करता है। जब आप इससे हेयर जेल बनाते हैं तो यह बालों को स्टाइल करने के साथ-साथ रूखेपन को कम करता है।

आवश्यक सामग्री-

- एलोवेरा का पत्ता
- एक कप पानी
- एक नींबू

हेयर जेल बनाने का तरीका-

- सबसे पहले एलोवेरा का पत्ता तोड़ लें और उसका जेल निकाल लें।
- अब एक कप पानी उबालें और उसमें एलोवेरा जेल के साथ-साथ एक नींबू का रस भी मिक्स करें।
- मिश्रण के गाढ़ा होने तक इसे 5 से 10 मिनट तक उबालें और फिर ठंडा होने दें।

चिया सीड्स की मदद से बनाएं जेल

चिया सीड्स में कई तरह विटामिन और मिनरल होते हैं जो बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इसके अलावा, कैस्टर ऑयल एक प्राकृतिक कंडीशनर की तरह काम करता है और रूखे बालों को नमी प्रदान करता है।

आवश्यक सामग्री-

- एक कप चिया सीड्स
- चार कप डिस्टिल्ड वॉटर
- दो बड़े चम्मच कैस्टर ऑयल
- विटामिन ई ऑयल की 10 बूंदें
- लैवेंडर एसेंशियल ऑयल की 10 बूंदें

जेल बनाने का तरीका-

- सबसे पहले एक पैन लें और उसमें डिस्टिल्ड वॉटर के साथ चिया सीड्स मिलाएं।
- अब इसे पैन को कवर कर दें और मिश्रण को रात भर ऐसे ही रहने दें।
- अब पैन को 10 से 15 मिनट तक गर्म करें।
- मिश्रण को हिलाएं और छलनी से छान लें।
- इसमें से चिया सीड को निकाल दें।
- अब आप विटामिन ई ऑयल, लैवेंडर एसेंशियल ऑयल और कैस्टर ऑयल डालें और उन्हें मिलाएं।
- मिश्रण को ठंडा होने दें और फिर इसे स्टेरलाइज़ किए गए कंटेनर में डालें।

सांवली सूरत पर बहुत अच्छी लगेंगी ये 5 रंग की साड़ियां, हर कोई करेगा आपकी तारीफ

आज हम आपको 5 ऐसे रंगों की साड़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो मीडियम और डार्क स्किन टोन की लड़कियों व महिलाओं पर काफी अच्छी लगेंगी। इन साड़ियों को पहनने के बाद हर कोई आपके श्यामल रंग पर दिल हार बैठेगा।

अगर कोई आपको तोता रंग के कपड़े पहनने को दें, तो आपका जवाब क्या होगा। जाहिर है कि आस इस रंग के कपड़े को पहनने से इंकार कर देंगे। क्योंकि जब भी हम कोई कपड़ो खरीदते हैं, तो सबसे पहले अपनी स्किन टोन और फिर कलर शेड देखते हैं। यह फैशन से जुड़ी एक आम बात है। वैसे तो सांवली रंगत पर हर कलर खूब फबता है, लेकिन कुछ कलर ऐसे भी होते हैं, तो आपके शरीर पर और भी अधिक खिलकर दिखते हैं। ऐसे में आपके मन में सवाल होगा कि इन रंगों को कैसे पहचाना जाए।

अगर आपके मन में भी यह सवाल है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 5 ऐसे रंगों की साड़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो मीडियम और डार्क स्किन टोन की लड़कियों व महिलाओं पर काफी अच्छी लगेंगी। ऐसे में इन साड़ियों को पहनने के बाद हर कोई आपके श्यामल रंग पर दिल हार बैठेगा।

गोल्डन कलर की साड़ी

वैसे तो सांवली लड़कियों पर हर रंग अच्छा लगता है। लेकिन अगर आप जरूरत से ज्यादा सुंदर दिखना चाहती है तो आपको अपने वॉर्डरोब में गोल्डन रंग की साड़ी को जरूर शामिल करना चाहिए। अगर आपका स्किन टोन डार्क या मीडियम है, तो आप एक्ट्रेस सोभिता धुलिपाला की तरह गोल्डन कलर की साड़ी कैरी कर सकती हैं। इसके साथ ही गोल्डन ब्राउन ब्लाउज भी आप पर खूब जचेगा। इस तरह की साड़ी कैरी करने के दौरान ब्राइट कलर की जूलरी नहीं कैरी करनी चाहिए। क्योंकि यह आपका पूरा लुक खराब कर सकती है।

क्रीम कलर की साड़ी

जिन महिलाओं व लड़कियों की रंगत सांवली है, उनपर क्रीम कलर की साड़ी बहुत अच्छी लगेगी। आप अपने वॉर्डरोब में डार्क क्रीम या ऑफ वाइट कलर की साड़ी शामिल कर सकती हैं। इस कलर की साड़ी को ग्रीन या सिल्वर कलर की जूलरी के साथ पेयर किया जा सकता है। इस कलर की साड़ी आप सिल्क, कॉटन या नेट के फैब्रिक में भी ले सकती हैं।

क्रिमसन कलर की साड़ी

क्रिमसन एक ऐसा रंग है, जो गहरे लाल, गुलाबी और बैंगनी शेड में होता है। यह रंग भी सावंली रंग की लड़कियों पर बहुत अच्छा लगेगा। एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने इस रंग में प्लेन साड़ी पहनी थी। आप चाहें तो इसमें एंब्रॉयडरी साड़ी भी ले सकती हैं। किसी शादी या फंक्शन में इस रंग की साड़ी पहनकर जाने के बाद हर नजर आप पर टिक जाएगी। इसलिए आपको भी क्रिमसन रंग की साड़ी को अपने वॉर्डरोब में जरूर शामिल करना चाहिए।

स्काई ब्लू या रॉयल ब्लू साड़ी

आपने स्काई ब्लू या रॉयल ब्लू कलर तो देखा ही होगा। इस जिस रंग की साड़ी सांवली रंगत पर बेहद खिलेगी, उसका नाम टील ब्लू है। इसमें थोड़ा सा ग्रीन शेड भी मिला होता है। हाल ही में अभिनेत्री दीपिका पादुकोण में भी इस रंग की साड़ी को कैरी किया था। अगर आप साड़ी में कंफर्टेबल फील नहीं करती हैं, तो इस कलर का सूट भी पहन सकती हैं।

ऑरेंज पपाया कलर की साड़ी

वैसे तो संतरी कलर में कई शेड्स पाए जाते हैं, लेकिन ऑरेंज पपाया कलर सांवले रंग पर बेहद कमाल का लगेगा। बता दें कि श्वेता तिवारी की बेटी पलक ने अपने मोनोक्रोम लुक के लिए ऑरेंज कलर के इस शेड को चुना है। ठीक वैसे भी आप इस कलर की साड़ी में बहुत सुंदर दिखेंगी। इसके साथ ही इस रंग का अनारकली सूट भी आप पर बेहद अच्छा लगेगा।

संक्षिप्त-खबर

शिव खोड़ी श्रद्धालुओं पर हमला, बजरंग दल ने आतंकवाद का फूंका पुतला, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शिव खोड़ी दर्शन कर मंदिर से आ रहे श्रद्धालुओं के ऊपर पाकिस्तान पोषित इस्लामिक आतंकवादियों के द्वारा हमला किया गया जो कि बहुत की कायराना कृत्य है। हमले में हिंदू परिवारों के बच्चों सहित 10 लोगों की मृत्यु हो गई, जिसके विरोध में बजरंग दल द्वारा इस्लामिक जिहादियों का मानव मंदिर चौक में पुतला दहन कर महामहिम राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर परिसर में ज्ञापन दिया गया और बजरंग दल इस कायरना कृत्य की निंदा करते हुए इस प्रकार की गतिविधि पर त्वरित लगाम लगाने कठोर कदम उठाने को केंद्र सरकार को निर्देश देने का निवेदन किया गया। कार्यक्रम में राजनांदगांव के विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के सभी पदाधिकारी एवं बजरंगी और सर्व हिन्दू समाज के हिंदूजन उपस्थित रहे। उक्त जानकारी विहिप जिला मंत्री अनूप श्रीवास ने दी।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर किया गया विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

मुंगेली (समय दर्शन)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश चन्द्र कुमार अजगल्ले के मागदर्शन में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर दिनांक 12.06.2024 को बालगृह मुंगेली में श्रीमति कंचन लता आचला सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली द्वारा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में बच्चों को आत्मनिर्भर बनने एवं सुरक्षित रहते हुए देश के हर विभाग के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी भूमिकाओं को बढ़ाने व संविधान द्वारा प्रदत्त अवसर में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाते हुए एक सशक्त समाज का निर्माण करने हेतु प्रेरित किया गया और साथ ही साथ उक्त शिविर में उपस्थित बच्चों को संविधान के मूल अधिकार व मूल कर्त्तव्य, बाल श्रम कानून, पॉक्सो एक्ट, भा.द.सं. की धारा 354, 354(। से क), साइबर अपराध आदि कानूनों के बारे में जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त श्रीमति कंचन लता आचला सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली द्वारा जिला जेल मुंगेली एवं ग्राम पंचायत बर्दुली में भी विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में पैरालीगल वालिंटियर्स भी उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री साय ग्राम फरहदा में मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में होंगे आज शामिल

मुंगेली (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुंगेली विकासखंड के ग्राम फरहदा में 14 जून को भक्त माता कर्मा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे। निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री साय 14 जून को प्रातः 11.05 बजे रायपुर से हेलीकाप्टर द्वारा प्रस्थान कर प्रातः 11.40 बजे ग्राम फरहदा पहुंचेंगे और प्रातः 11.45 बजे से दोपहर 12.45 बजे तक भक्त माता कर्मा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे।

बाल श्रम रोकने गठित टास्क फोर्स के माध्यम से चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

मुंगेली (समय दर्शन)। जिले में बाल श्रम को रोकने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया गया है। कलेक्टर श्री राहुल देव के निर्देशन में श्रम विभाग, पुलिस विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, चाइल्ड लाइन एवं जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा संयुक्त रूप से विभिन्न संस्थाओं होटल, रेस्टोरेंट, ईंट भट्ठा, पेट्रोल पंप, इलेक्ट्रॉनिक शोरूम आदि में जाकर बाल श्रम निषेध के संबंध में लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इन संस्थाओं से जुड़े लोगों को बताया जा रहा है कि 14 वर्ष से कम उम्र के बालकों के किसी भी स्थापन व संस्थानों में नियोजन एवं 14 वर्ष से 18 वर्ष के किशोरो को अधिसूचित खतरनाक व्यवसायों व स्थापनाओं में नियोजित करना या उनसे काम लेना बालक एवं किशोर श्रम प्रतिषेध एवं विनियमन अधिनियम अंतर्गत पूर्णतः प्रतिबंधित है।

जिले में मत्स्याखेट 15 तक प्रतिबंधित

मुंगेली (समय दर्शन)। वर्षा ऋतु में मछलियों की वंश की वृद्धि (प्रजनन) के दृष्टिकोण से उन्हें संरक्षण देने हेतु राज्य में छ.ग. नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम 1972 के तहत 15 अगस्त तक को बंद ऋतु (क्लोज सीजन) घोषित किया गया है। मछलीपालन विभाग के सहायक संचालक ने बताया कि जिले के समस्त नदियों, नालों तथा छोटी नदियाँ और उनकी सहायक नदियों में जिन पर सिंचाई के तालाब तथा जलाशय (छोटे-बड़े) जो भी निर्मित किए गये है या किये जा रहे केज कल्चर के अतिरिक्त सभी प्रकार के मत्स्याखेट 16 जून से 15 अगस्त 2024 तक पूर्ण निषिद्ध रहेगा।

राजनांदगांव विधानसभा के कार्यकर्ताओं से आभार जताने पहुंचे लोकसभा प्रत्याशी भूपेश बघेल

हम फिर से उठेंगे और पूरी उर्जा के साथ लड़ेंगे -भूपेश बघेल

राजनांदगांव (समय दर्शन)। राजनीति में हार और जीत तो लगी रहती है इसमें हताश होने वाली कोई बात नहीं है हम फिर से उठेंगे और पूरी ऊर्जा के साथ लड़ेंगे। हम जनता के हक और अधिकार के लिए सदैव आवाज बुलंद करेंगे। उक्त बातें पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहीं जो लोकसभा 2024 के चुनाव परिणाम पश्चात बुधवार 12 जून को राजनांदगांव विधानसभा के कार्यकर्ताओं से आभार जताने पहुंचे थे।

शहर कांग्रेस महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि लोकसभा चुनाव परिणाम के पश्चात लोकसभा प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजनांदगांव लोकसभा के प्रत्येक विधानसभा में कार्यकर्ताओं के बीच आभार प्रदर्शन करने पहुंच रहे हैं। इसी कड़ी में 12 जून को स्थानीय होटल में राजनांदगांव विधानसभा के शहर एवं ग्रामीण ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले समस्त बूथ, जोन तथा वरिष्ठ कांग्रेसजनों से आभार जताने पहुंचे। ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि पूरे कांग्रेसजनों व बूथ अध्यक्षों ने कड़ी मेहनत की फिर भी परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहें। कांग्रेसजनों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हम जनता की परेशानी व उनके हक के लिए आगे भी संघर्ष करेंगे। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने कहा कि कार्यकर्ता, बूथ अध्यक्ष व कांग्रेस के पदाधिकारियों ने पूरी मेहनत की, परंतु कहीं न कहीं अपनी बात आम जनमानस तक पहुंचाने में विफल हुए, जनादेश हम विनम्रता पूर्वक स्वीकार करते है। पूर्व सीएम व लोकसभा प्रत्याशी रहे भूपेश बघेल ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि पूरे राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेसजनों की भांति राजनांदगांव विधानसभा के सभी कांग्रेसजनों ने भरपूर मेहनत की, फिर भी आशाजनक परिणाम नहीं मिले। राजनीति में हार और जीत तो लगी रहती है, इसमें हताश होने वाली कोई बात नहीं है हम फिर से उठेंगे और पूरी उर्जा के साथ लड़ेंगे। हम जनता के हक और अधिकार के लिए सदैव आवाज बुलंद करेंगे। श्री बघेल ने कहा कि भाजपा का चुनाव प्रचार देश के मुख्य मुद्दे महंगाई, बेरोजगारी और केन्द्रीय एजेंसियों का दुरूपयोग से कोसो दूर रहा। वहीं हमारे राष्ट्रीय नेतृत्व राहुल गांधी के भारत जोड़ो यात्रा का अच्छा प्रतिसाद कांग्रेस को मिला और हमारा प्रदर्शन पिछले लोकसभा चुनाव से अच्छा रहा, जबकि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाराणसी से बमुश्किल डेढ़ लाख वोटो से जीते, जबकि हमारे नेता राहुल गांधी रायबरेली और वायनाड दोनों सीटों से साढ़े तीन लाख से अधिक वोटों से जीते, यह बताता है कि मोदी की गारंटी फीकी रही है।

पूर्व सीएम श्री बघेल ने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि वर्तमान भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों का भरपूर विरोध करें और जनता की हक की लड़ाई व न्याय के लिए कमर कस लें, आगे नगरीय निकाय चुनाव व त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के लिए तैयार रहे। इस दौरान प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री धनेश पाटिला, महापौर हेमा देशमुख, अंजुम अल्वी, जितेन्द्र मुदलियार, श्रीकिशन खंडेलवाल, शाहिद खान, थानेश्वर पाटिला, पदम कोठारी, सुदेश देशमुख, कमलजीत सिंह पिन्टू, पंकज बाधव, रमेश खंडेलवाल, रमेश डाकलिया, इकरामुद्दीन सोलंकी, दिनेश शर्मा, गोवर्धन देशमुख, अंगेश्वर देशमुख, रमेश राठौर, हरिनारायण धकेता, अंजुम अल्वी, मोती साहू, महेन्द्र यादव, श्रीमती रूबिना अल्वी, मेहुल मारू, चित्ररेखा वर्मा, विवेक वासनिक, ब्लॉक अध्यक्ष आसिफ अली, सूर्यकांत जैन, घनश्याम देवांगन, रोहित चंद्राकर, आफ्ताब अहमद, महिला कांग्रेस अध्यक्ष माया शर्मा, पार्षद दुलारी साहू, मनीष साहू, विनय झा, सुनिता फड़नवीस, चंद्रकला देवांगन, महेश साहू, मनीष साहू, ऋषि शास्त्री, पूर्णिमा नागदेवे, अमिन हुद्दा, अभिमन्यु मिश्रा, मनीष गौतम, अजय मारकंडे, खिलेश्वर पाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

शहीद स्मारक समिति पिथौरा ने निलेश का किया सम्मान

बसना(समय दर्शन)। पिथौरा के अंतर्गत आने वाले तोषगांव के निलेश प्रधान जिनका फौज मे लेफ्टिनेंट के पद पर चयन होने पर उन्हें इस उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। शहीद स्मारक सेवा समिति शहीदों के श्रद्धांजलि के साथ- साथ शहीद परिवार के सुख-दुख पर एवं सैनिकों के जज्बा को सलाम करते हुए सहयोगी रहता है , साथ ही देश की सरहद पर लड़ने वाले वीर जवानों को सम्मानित भी करता है । इसी कड़ी में तोषगांव के निलेश प्रधान का चयन लेफ्टिनेंट के पद पर हुआ तो समिति ने इस उपलब्धि के लिए उन्हें श्रीफल एवं शाल से सम्मानित किया।

निलेश प्रधान सैनिक स्कूल में पढ़े विद्यार्थी रहे हैं तथा अपने पिता स्व. श्री अक्षय प्रधान के सपनों को साकार करने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत करके थल सेवा में लेफ्टिनेंट के पद पर चयनित होकर अपने पिता के सपनों को साकार किया है।

इस पल को यादगार बनाने के लिए शहीद स्मारक समिति ने उन्हें सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया है। इस अवसर पर समिति के वरिष्ठ सदस्य गुरदीप चावला ने उन्हें सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है । इस दौरान रितेश महंती ने निलेश की उपलब्धि को एक अद्भुत उपलब्धि बताते हुए ,उस गांव की मिट्टी को प्रणाम कर उन्हें देश के लिए कार्य करने हेतु प्रेरित किया । इस अवसर पर वरिष्ठ व्याख्याता सुधीर प्रधान ने निलेश के बचपन से लेकर उनके पिताजी के सपनों तथा परिवार की देश प्रेम की भावना से अवगत कराने के साथ समिति को परिचय देते हुए निलेश को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस कार्यक्रम की सफलता के लिए अंतर्यामी प्रधान ने सहयोग किया ।

इस कार्यक्रम का संचालन समिति के सदस्य दिनेश साहू ने किया । इस अवसर पर निलेश प्रधान की माता जी एवं उनके परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही शहीद स्मारक सेवा समिति के सक्रिय सदस्य सुरेंद्र सलूजा, अमरप्रीत छाबड़ा, शुभम अग्रवाल, परमदीप सिंह सलूजा, विनोद सोनी, आरती कलसा, यशवंत कर, मुकेश किशोर महंती उपस्थित रहे।

खरीफ फसल की सिंचाई के लिए 5 जुलाई से मिलेगा नहरों से पानी

जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक आयोजित

खाद बीज की उपलब्धता, नहरों की मरम्मत एवं अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने की हुई चर्चा

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर आकाश छिकारा की अध्यक्षता में खरीफ वर्ष 2024 के कार्यक्रम निर्धारण हेतु जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में समिति के सचिव कार्यपालन अभियंता हसदेव नहर जल संभाग जांजगीर के द्वारा बांध में जल उपलब्धता की जानकारी दी गयी, जिसके अनुसार हसदेव बांगो परियोजना अंतर्गत जांजगीर-चांपा, सक्ती, कोरबा एवं रायगढ़ जिले हेतु अगामी खरीफ वर्ष 2024 हेतु सिंचाई क्षमता 02 लाख 47 हजार 400 हेक्टेयर का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि 10 जून की स्थिति में हसदेव बांगो बांध में कुल जल भराव क्षमता का 43.08 प्रतिशत है।

समिति द्वारा विचारोपरान्त हसदेव बांगो परियोजना के अन्तर्गत हसदेव बांयी तट नहर प्रणाली एवं हसदेव दांयी तट नहर प्रणाली में खरीफ सिंचाई वर्ष 2024 हेतु 05 जुलाई से पानी प्रवाहित करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में जलाशयों में उपलब्ध जल भराव, खरीफ वर्ष 2024 के सिंचाई कार्यक्रम, फसल का लक्ष्य निर्धारण तथा खाद, बीज व कीटनाशक की उपलब्धता जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में विधायक जांजगीर-चांपा ब्यास कश्यप, अकलतरा विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह, विधायक जैजैपुर श्री बालेश्वर साहू, विधायक रामपुर फूलसिंह राठिया, पूर्व विधायक केशव चन्द्रा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राघवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला पंचायत सदस्य राजकुमार साहू, दिनेश शर्मा, गुलजार सिंह, दुष्यंत सिंह, राजशेखर सिंह, संदीप तिवारी, शिव कुमार तिवारी, जिला पंचायत सीईओ गोकुल कुमार रावटे, सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने, नहरों की मरम्मत करने, जल संसाधन विभाग के जलाशय एवं अन्य रकबों को अतिक्रमण से मुक्त कराने के संबंध में कृषक प्रतिनिधियों के सुझावों पर चर्चा हुई। बैठक में कलेक्टर ने खाद बीज के भंडारण तथा वितरण की चर्चा करते हुए खाद बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग को आपसी समन्वय के साथ अतिक्रमण में लाल झंडा लगाकर चिन्हांकन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सोसायटी में खाद बीज उठाव के लिए किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या ना हो। उन्होंने कहा कि सोसायटी में खाद-बीज का भंडारण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि उन्नत किस्म और कम अवधि वाले धान बीज का उपयोग करना किसानों के लिए अधिक फायदेमंद है। किसानों को इसका उपयोग करने, जमीन की उर्वरता बनाये रखने के लिए फसल चक्र लेने प्रोत्साहित करने कहा।

खंड चिकित्सा अधिकारी संभाल रहे हैं निजी सोनोग्राफी सेंटर

सोनोग्राफी सेंटर की आड़ में प्रसव माता को लूट रही है डॉक्टर बंजारे

जैजैपुर (समय दर्शन)। खंड चिकित्सा अधिकारी जैजैपुर जो कि राशि सोनोग्राफी सेंटर मेन रोड जैजैपुर में स्थित है । अधिक समय अपने निजी ईलाज के लिए देती है, जबकि देखने वाली बात यह है सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैजैपुर के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शशी प्रभा बंजारे जो की अपने निजी सोनोग्राफी सेंटर में इलाज करते हैं ।महिलाओं ने जानकारी देते हुए यह बताया कि हम लोग बाहर से सोनोग्राफी कराकर आते हैं उसे डॉक्टर शशि प्रभा बंजारे पुराना है यह जानकारी देती है और अपने सोनोग्राफी सेंटर में ही सोनोग्राफी करती है इससे मरीज को दोहरा राशि खर्च करना पड़ता है । जब से खंड चिकित्सा अधिकारी बनी हुई है तब से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयजयपुर में वह इलाज नहीं करती केवल प्रसव वाले प्रकरण को ही देखती है जिससे मरीज परेशान होते हैं यदि उच्च अधिकारी जांच करें तो यह सभी बात का खुलासा होगा क्योंकि वह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैजैपुर में नहीं जाती प्रसव प्रकरण के माता को ही देखती है । जबकि खंड चिकित्सा अधिकारी निजी झोलाछाप डॉक्टर के ऊपर भी कार्यवाही नहीं करती क्योंकि ऐसा लगता है कि उनका मासिक राशि होने के कारण उन पर लगाम नहीं लगाती जिन्से झोलाछाप डॉक्टरों के हौसले बुलंद है ।

शासन के सभी नियम कायदों को ताग में रखकर निजी इलाज कर रही है इससे मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खंड चिकित्सा अधिकारी एस बी ए ट्रेनिंग सेंटर में रहती है बाकी समय अपने निजी सोनोग्राफी सेंटर में ही रहकर समय गुजराती है जबकि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किसी भी मरीज का इलाज नहीं करती आप सीसी टीवी कैमरा से देख सकते हैं जिन्से यहां पर दूर दराज से आने वाले प्रसव मरीज काफी परेशान दिखाई देते हैं।

अभियान जल संरक्षण और प्रबंधन में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर केंद्रित

ग्राम पथरिया में चलाया गया नारी शक्ति से जल शक्ति थीम पर आधारित जल शक्ति अभियान

दुर्ग (समय दर्शन)। धमधा विकासखण्ड के ग्राम पथरिया में मनरेगा के तहत स्वच्छ ग्राम हरित सप्ताह का आयोजन किया गया। महात्मा गांधी नरेगा के तहत जल संरक्षण की दिशा में जन जागरूकता अभियान चलाकर जल संकट को दूर करने एवं वर्षा के जल को बचाने व भू जल को बढ़ावा देने के लिए एक मुहिम चलाया जा रहा है। इस दिशा में ग्राम पथरिया में जल संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नारी शक्ति से जल शक्ति थीम के तहत आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीईओ जिला पंचायत अश्वनी देवांगन ने ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई।

अश्वनी देवांगन सीईओ ने नारी शक्ति व ग्रामीणो से आव्हान किया कि जल है तो कल है।

नारी शक्ति से जल शक्ति थीम पर आधारित यह अभियान जल संरक्षण और प्रबंधन में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर केंद्रित है। वही जल प्रहरी श्री नीरज वानखेडे निरंतर जल संरक्षण पर काम कर रहे है, ने जल संरक्षण का संदेश दिया। जल स्त्रोतों की सफाई सहित वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, सोक पीट निर्माण, रिचार्ज पीट इत्यादि के जरिए पानी संरक्षित करने की बारिकी से जानकारी दी गई। उक्त कार्यक्रम में पेड़ लगाओं पानी बचाओ, जल संरक्षण रंगोली, पेंटिंग, मॉडल बनाकर ग्रामीणों को जागरूकता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी भूपेन्द्र देवांगन, धमधा सरपंच चंद्रिका प्रसाद साहू, सचिव विधु दास, तकनीकी सहायक अनिता कुशवाहा, स्वच्छताग्राही एवं स्व सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित थी।

चुनाव प्रक्रिया समाप्ति उपरांत राजस्व प्रकरणों के निपटारे में आई है तेजी

दुर्ग। जिले में लोकसभा निर्वाचन की प्रक्रिया समाप्ति पश्चात् राजस्व प्रकरणों के निपटारे में तेजी आई है। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा राजस्व प्रकरणों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को अभियान चलाकर प्रकरणों का निराकरण समय सीमा के भीतर करने के निर्देश दिए है। जिले में राजस्व अधिकारियों द्वारा राजस्व न्यायालयों में नामांतरण, बटवारा, डायवर्सन एवं सीमांकन तथा लोक सेवा से प्राप्त प्रकरणों का नियमानुसार समय सीमा के भीतर निराकरण किया जा रहा है। जिसके फलस्वरूप समय-सीमा के बाहर के प्रकरणों की संख्या कम हुई है। एक हिन्दी दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर के संबंध में अवगत कराया गया है कि आदर्श आचरण संहिता समाप्ति की तिथि 6 जून 2024 की स्थिति में नामांतरण, बटवारा, डायवर्सन एवं सीमांकन के कुल लंबित प्रकरण 8590 थे। जिसमें से केवल 373 प्रकरण समय सीमा के बाहर थे। वर्तमान स्थिति में कुल लंबित प्रकरण 8403 है। जिसमें से समय सीमा के बाहर केवल 134 प्रकरण है। शेष प्रकरण समय सीमा के भीतर के है। जिले में राजस्व अधिकारियों द्वारा अभियान चलाकर क्रमशः प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है। इससे आवेदकों की किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है।

संक्षिप्त-खबर

जिला पंचायत सीईओ ने तालाब गहरीकरण, आंगनबाड़ी केन्द्र एवं मनरेगा के कार्यों का किया निरीक्षण

जांजगीर-चांपा(समय दर्शन)। 13 जून 2024/ कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशन में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे ने जनपद पंचायत पामगढ़ की विभिन्न ग्राम पंचायतों में आंगनबाड़ी केन्द्र एवं मनरेगा के कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ ने पामगढ़ परियोजना अंतर्गत पेण्ड्री आंगनबड़ी केन्द्र में उपस्थित बच्चों से आत्मीय बात-चीत की। उपस्थित कार्यकर्ता से जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत कार्यों का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने समय सीमा के भीतर सभी कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश फील्ड आफ्सिरों एवं तकनीकी सहायकों को दिए। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रावटे के द्वारा आज मेऊ, बारगाँव, कोसला, पेण्ड्री में चल रहे मनरेगा, अमृत सरोवर के कार्य, सचिव एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा कर कचरा कलेक्शन, ओडीएफ प्लस, मॉड्यूल गांव, यूजर्स चार्ज, मनरेगा में मजदूर बढ़ाने एवं हॉर्टिकल्चर के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

गुड़ उद्योग के लिए पर्यावरण संरक्षण मंडल से अनापत्ति प्रमाण पत्र आवश्यक - पुसाम

कवर्धा (समय दर्शन)। कलेक्टर जनमेजय महोबे के निर्देश पर कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा गुड़ उद्योग के संचालन के लिए आवश्यक निर्देश जारी किया गया है, जिसमें पर्यावरण संरक्षण मंडल से अनापत्ति प्रमाण पत्र, निर्धारित मापदंड के अनुसार चिमनी निर्माण, श्रम नियमों का पालन, बाल श्रमिक न होने जैसे अनेक निर्देश दिया गया है।

पिछले दिनों कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, भिलाई एवं जिले के गुड़ उद्योग इकाईयों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्यावरण संरक्षण मंडल के नियमों व दिशा निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी गई एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही उन्हे पर्यावरण अनापत्ति की ऑनलाईन प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। जिले में वृहद मात्रा में गुड़ उद्योग संचालित है, उक्त इकाईयों के संचालन में होने वाली कठिनाईयों का निराकरण एवं शासन के नियमों के पालन सुनिश्चित करने कलेक्टर श्री महोबे द्वारा समय-समय पर आवश्यक निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाता रहा है।

जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र डीएल पुसाम ने बताया कि गुड़ उद्योग स्थापना के पूर्व आवश्यक प्रक्रिया जैसे भूमि का औद्योगिक प्रयोजन के लिए डायवर्सन, स्थानीय निकाय का अनापत्ति, औद्योगिक विद्युत कनेक्शन तथा इकाई स्थापना उपरांत जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र से उत्पादन प्रमाण पत्र, पर्यावरण संरक्षण से संबंधित नियमों का पालन करते हुए पर्यावरण संरक्षण मंडल से अनापत्ति प्रमाण पत्र, इकाई स्थल पर चिमनी का निर्धारित मापदंड अनुसार निर्माण किया जाना, इकाई स्थल पर बाल श्रमिक कार्यरत नही होने संबंधी सूचना पटल, श्रमिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय तथा श्रम नियमों का पालन व फैक्ट्री लायसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है।

16 वर्ष से कम उम्र की नाबालिक के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी एवं सहयोग करने वाले आरोपी के दीदी - जीजा को 25 - 25 वर्ष की सश्रम कारावास एवं अर्थदंड की सजा

फास्ट ट्रैक कोर्ट के विशेष न्यायाधीश प्रशांत कुमार शिवहरे का निर्णय

शक्ति (समय दर्शन)। फास्ट ट्रैक कोर्ट शक्ति के विशेष न्यायाधीश प्रशांत कुमार शिवहरे ने नाबालिक बालिका के साथ दुष्कर्म के मामले में अभियुक्तगणो के विरुद्ध आरोपित अपराध दोष सिद्ध पाए जाने पर सभी तीनों अभियुक्त आरोपी चंद्र कुमार लहरे एवं उसके जीजा तुलसी खांडे एवं उसकी दीदी गिरजा बाई खांडे को 25 - 25 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा एवं अर्थदंड से दंडित करने का निर्णय पारित किया है।

विशेष लोक अभियोजक राकेश महंत ने बताया कि नाबालिक अभियोक्त्री घटना दिनांक 7 .6. 2023 को दिन के 11:00 नाबालिक बालिका घर में बिना किसी को बताएं घर से पैदल शक्ति रेलवे स्टेशन आ गई ।उसके पिता काम से दूसरे गांव गया हुआ जब वह 12:30 बजे घर आया तो उसकी पुत्री घर में नहीं थी, तो उसने अपने पत्नी बच्चे और मां से पूछा कि उसकी बेटी नाबालिक बालिका कहां है तब उसके घर वालों ने बताया कि वह घर में बिना बताए 11:00 बजे कहीं चली गई है और अब तक वापस नहीं आयी है। तब वे शाम तक नाबालिक बालिका के आने के इंतजार करते रहे आसपास पता तलाश किये किंतु नहीं मिला । तब नाबालिक बालिका के पिता ने थाना जाकर उसकी पुत्री की गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराया । जिस पर थाना नगरदा द्वारा अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 52 / 2023 धारा 363 भारतीय दंड संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना किया जा रहा था । विवेचना के दौरान नाबालिक बालिका को बरामद किया गया । नाबालिक बालिका ने बताया कि वह पिछले वर्ष कक्षा 9वी जांजगीर में पढी है तथा कक्षा दसवीं को भी उसके पिता उसे जांजगीर में पढ़ाना चाहता है । किंतु वह नगरदा में पढ़ना चाहती है। इसी बात से गुस्सा होकर वह बिना घर में कुछ बताएं दिन के 11:30 घर से पैदल शक्ति रेलवे स्टेशन चली गई ।जब वह शक्ति के रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 में थी तब आरोपी चंद्र कुमार लहरे व उसके दो साथी उसके पास आए। चंद्र कुमार लहरे के दो साथी ने शाम को 5:30 बजे उससे पूछा कि सभी ट्रेन चली गई है तुम कहां जाओगी ? तब वह कहीं नहीं जाऊंगी बोलकर दूसरे प्लेटफार्म में चली गई ।उसके बाद आरोपी चंद्र कुमार लहरे आया और उससे पूछा कि तुम्हारा नाम क्या है ? तुम कहां की रहने वाली हो ? यहां क्यों आई हो ? बोलकर पूछताछ किया और बोला कि चलो मेरे साथ, तब वह उसके साथ जाने से मना कर दी । तब आरोपी चंद्र कुमार लहरे नाबालिक बालिका के हाथ को खींचते हुए बोला कि तुम चिल्लाओगी तो चाकू से तुम्हें मार दूंगा और आरोपी उसे रेलवे स्टेशन से ट्रेन में बैठा कर खरसिया ले गया जब वे लोग खरसिया रेलवे स्टेशन में ट्रेन से उतरे तो आरोपी चंद्र कुमार लहरें अपने जीजा तुलसी को मोबाइल से फोन किया तब उसके जीजा तुलसी मोटरसाइकिल लेकर आया और उन दोनों को अपने मोटरसाइकिल में बिठाकर अपने घर महका ले गया । जहां आरोपी चंद्र कुमार लहरे की दीदी आरोपियां गिरजा बाई खांडे उपस्थित थी । आरोपी चंद्र कुमार एवं तुलसी हाथ पैर धोकर खाना खाने के लिए बैठ गए और वह स्वयं आरोपी चंद्र कुमार के भांजी के कमरे में बैठी थी तब आरोपी के दीदी - जीजा बोले की तुम चंद्र कुमार लहरे के कमरे में सोना । उसके बाद आरोपी चंद्र कुमार लहरे ने आकर उसके हाथ को पकड़ते हुए जबरदस्ती उसे अपने कमरे में ले गया और कमरे के दरवाजा को बंद कर दिया फिर उसके कपड़े को उतार कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया । आरोपी चंद्र कुमार ने उसे बोला कि तुम चिल्लाओगी और घटना के बारे में किसी को बताओगी तो चाकू से मार दूंगा । वह आरोपी चंद्र कुमार को अपने घर में कॉल करने के लिए बोल रही थी लेकिन वह कॉल नहीं करता था । उसे आरोपी चंद्र कुमार लहरे ने अपने दीदी एवं जीजा के नजरबंदी में दिनांक 17. 6 .2023 से 3.7 . 2023 तक रखा हुआ था । आरोपी चंद्र कुमार शराब पीकर आता था तथा उसके साथ मारपीट करता था। नाबालिक बालिका ने यह भी बताया कि आरोपी चंद्र कुमार उसे ग्राम हाटी ले गया था जहां रूम किराए में लेकर अपने साथ उसे रखा हुआ था और रोज रात में शराब पीकर आता था और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता था तथा मना करने पर वह उसके साथ मारपीट करता था । आरोपी चंद्र कुमार लहरे उसके साथ खरसिया के मंदिर में जबरदस्ती उसके साथ शादी किया जहां आरोपी के दीदी एवं जीजा उपस्थित थे जो आरोपी चंद्र कुमार से जबरदस्ती शादी करने के लिए उसे बोले थे । आरोपी चंद्र कुमार उसके मांग में सिंदूर भरा और गले में मंगलसूत्र पहनाया और उसके बाद दिनांक 3.7. 2023 को मोटरसाइकिल में बैठाकर ग्राम महका से हाटी ले गया और वहां रूम किराए में लेकर दिनांक 28.7.2023 तक अपने साथ रखा हुआ था। आरोपी चंद्र कुमार बहुत शराब पिया हुआ था और मोबाइल को छोड़कर रूम से चला गया था तब वह मोबाइल से अपने घर में दादी को फोन की और बताई कि आरोपी चंद्र कुमार उसे जबर्दस्ती अपने साथ रखा हुआ है एवं उसे फोन करने नहीं देता और उसके साथ मारपीट कर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाता है ,उसी समय आरोपी चंद्र कुमार लहरे आया और उसकी दादी से बात किया उसकी दादी ने उसके पापा को बताया तो उसके पापा आरोपी चंद्र कुमार लहरे को ठगकर बुलाया कि तुम दोनों घर आ जाओ और आओगे तो तुम्हारी शादी कर देंगे। उसके बाद आरोपी चंद्र कुमार मोटरसाइकिल में बिठाकर इसकी दीदी जीजा के घर खरसिया महका लाए और चंद्र कुमार ने उक्त बातें को अपने जीजा तुलसी को बताया तो तुलसी अपने मॉ को मोटरसाइकिल में लेकर एवं आरोपी चंद्र कुमार एक मोटरसाइकिल में नाबालिक बालिका को बिठाकर नाबालिक बालिका के घर जाने के लिए निकल गए जहां नाबालिक बालिका के घर के पहले गांव में नाबालिक बालिका को उतारकर अपने जीजा के मोटरसाइकिल में बिठाकर खुद वहां से आरोपी चंद्र कुमार भाग गया तथा आरोपी चंद्र कुमार के जीजा तुलसी नाबालिक बालिका और अपने मॉ को मोटरसाइकिल में लेकर नाबालिक बालिका के घर गया। जहां बाथरूम में जाकर मोबाइल से चंद्र कुमार लहरे को फोन किया कि वह नाबालिक बालिका के घर न आए घर वापस चला जाए। अपने परिवार से मुलाकात होने पर नाबालिक बालिका ने उक्त सभी बातों को बताई है । विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी चंद्र कुमार लहरे एवं उसके जीजा आरोपी तुलसी खांडे एवं आरोपी के दीदी आरोपियां गिरजा बाई खांडे को गिरफ्तार कर विशेष न्यायालय शक्ति में पेश किया जहां से आरोपीगण को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया एवं संपूर्ण विवेचना उपरांत धारा 363, 366, 376(2 ढ) 376 (घ क), 109 ,114 भारतीय दंड संहिता एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 6, 17 के अंतर्गत अभियोग पत्र विशेष न्यायालय एफटी एस सी कोर्ट शक्ति में

दाखिल किया गया । विशेष न्यायालय शक्ति ने उभय पक्षों को पर्याप्त समय अपने पक्ष रखने के लिए देने के पश्चात तथा अभियोजन एवं अभियुक्त पक्ष के अंतिम तर्क श्रवण करने तथा संपूर्ण विचारण पूर्ण होने के पश्चात विशेष न्यायालय द्वारा निर्णय पारित किया गया। अभियोजन द्वारा अभियुक्तगण के विरुद्ध आरोपित अपराध को संदेह से परे प्रमाणित कर दिए जाने से सभी अभियुक्तगणो को विशेष न्यायाधीश प्रशांत कुमार शिवहरे द्वारा सिद्ध दोष पाए जाने पर दोष सिद्ध घोषित किया गया । अभियुक्त चंद्र कुमार लहरे पिता पंचराम लहरे उम्र 30 वर्ष ग्राम असौंदा थाना शक्ति जिला शक्ति छत्तीसगढ़ को धारा 363 भारतीय दंड संहिता की अपराध के लिए 7 वर्ष अपराध धारा 366 भारतीय दंड संहिता के अपराध के लिए 10 वर्ष धारा 376 (3) भारतीय दंड संहिता के अपराध के लिए 25 वर्ष एवं धारा 6 पोक्सो एक्ट के अपराध के लिए 25 वर्ष का सश्रम कारावास एवं क्रमशः ?1000, ?2000, ?50000 एवं ?50000 की अर्थ दंड की सजा तथा आरोपी तुलसी खांडे पिता कमल साय खांडे उम्र 37 वर्ष निवासी ग्राम महका थाना खरसिया जिला रायगढ़ छत्तीसगढ़ को धारा 363, 34 भारतीय दंड संहिता के अपराध के लिए 7 वर्ष धारा 366, 34 भारतीय दंड संहिता के अपराध के लिए 10 वर्ष एवं धारा 6 सहपठित धारा 17 लैंगिक अपराधों से बालकों के संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध के लिए 25 वर्ष का सश्रम कारावास एवं क्रमशः ?1000 ?2000 एवं ?50000 की अर्थदंड की सजा तथा आरोपीया गिरजा बाई खांडे पति तुलसी खांडे उम्र 33 वर्ष निवासी ग्राम महका थाना खरसिया जिला रायगढ़ छत्तीसगढ़ को धारा 6 सहपठित धारा 17 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के अपराध के लिए 25 वर्ष का सश्रम कारावास एवं ?50000 की अर्थ दंड की सजा दी गई है । आरोपीणग को दी गई सभी सजाए साथ-साथ चलेंगे ।अभियोजन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक राकेश महंत ने किया ।

सीबीएसई स्कूल में डमी ऐडमिशन का खेल, जांच आदेश से मचा हड़कंप

स्कूल और कोचिंग के बीच दुर्भीसंधि से हो रहा शिक्षा का कबाड़ा

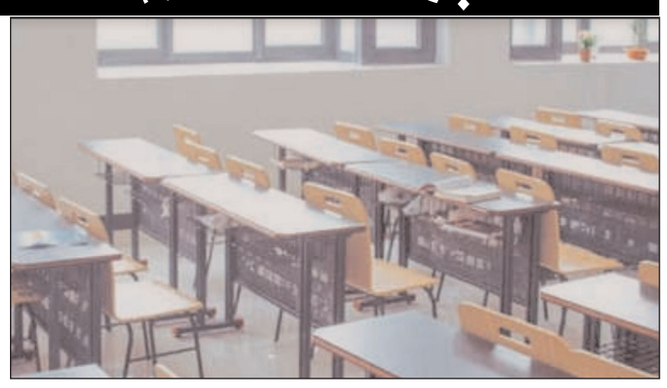

बिलासपुर(समय दर्शन)। शिक्षा में ऊंचे आदर्श और नैतिकता की बात करने वाले तथा कथित सीबीएसई स्कूल की ढोल में पोल है। बिलासपुर के तीन सीबीएसई स्कूल को जिला शिक्षा अधिकारी ने डमी एडमिशन के जांच के लिए नोटिस जारी किए हैं। शहर के बड़े दैनिक अखबार इस खबर को छुपा सकते हैं क्योंकि कोचिंग संस्थानों और स्कूल दोनों से उन्हें विज्ञापन में मोटी कमाई होती है। जिला शिक्षा अधिकारी ने इन स्कूलों से तीन-तीन साल का रिकॉर्ड अपडेट रखने को कहा है।

यहां पर यह ध्यान देने की बात है छत्तीसगढ़ के एक बड़े शहर में डमी एडमिशन के चलते तीन स्कूल पर 75 लाख रुपए का अर्थ दंड आरोपित किया गया है। तीनों स्कूल में डमी एडमिशन पाए गए थे। इस तरह स्कूल में आवश्यकता से 40त्न अधिक पाठ्यक्रम की पुस्तक भी कमीशन का बड़ा जरिया बन गई है।

मध्य प्रदेश की न्यायधानी के जिला प्रशासन ने ऐसे स्कूलों के खिलाफ गंभीर कदम उठाते हुए आईपीसी के धार 420, 409, 34 के तहत शाला प्राचार्य, शिक्षा समिति सचिव, अध्यक्ष के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज कराई और पुलिस ने मामले में तेजी दिखाते हुए उन्हें हिरासत में लेकर कोर्ट में प्रस्तुत किया, इतना ही नहीं न्यायालय ने मामले की गंभीरता सफेदपोश अपराधियों द्वारा बच्चों की भविष्य खराब करने की नियत को देखते हुए आरोपियों को जमानत नहीं दी। यदि पड़ोसी प्रदेश की न्यायधानी में इतना सख्त कदम उठाए जा सकता है तो छत्तीसगढ़ की न्यायधानी में शिक्षा माफिया स्कूल और कोचिंग संस्थानों के साथ मिलकर छात्रों का भविष्य और वर्तमान दोनों खराब कर रहा है। डमी छात्रों को एडमिशन देने वाले स्कूल अपने को झूठ रिकॉर्ड देकर कैसे बचा सकते हैं।

जनपद सदस्य सफीक खान बर्खास्त, का दुरुपयोग करते हुए खुद के फॉर्म को ही पहुंचा रहा था लाभ

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने मजरकट्टा क्षेत्र के जनपद सदस्य सफीक खान को धारा 40 के तहत बर्खास्त कर दिया है। सफीक खान के विरुद्ध ग्राम मालगांव के ग्रामीणों ने अपने पद का दुरुप्रयोग करते हुए खुद की फर्म को लाभ पहुंचाने एवम सरकारी राशि कर गबन का आरोप लगाया था ।विभागीय जांच में आरोप की पुष्टि होने के बाद जिला पंचायत सीईओ के प्रतिवेदन के आधार पर जनपद सदस्य के विरुद्ध कार्यवाही की गई है। बर्खास्त होने के बाद अब 6 साल तक सफीक खान किसी प्रकार का चुनाव नही लड़ पाएंगे।

जानकारी के मुताबिक जानकारी के मुताबिक 1 साल पहले ग्राम मल गांव के ग्रामीणों ने जनपद सदस्य सभी खान के विरुद्ध विभिन्न पंचायत के गठानों एवं चारागाह में जिला खनिज न्यास निधि मद से स्वीकृत नलकूप खनन कार्य को बिना मापदंड के पंचायत में दबाव बनाकर करवाने तथा जनपद पंचायत के विभिन्न योजनाओं की राशि को बिना कुछ कार्य के ही दबाव बनाकर स्वयं के नाम से चेक जारी कर गबन किए जाने की शिकायत की थी ।इसके अलावा जनपद पंचायत गरियाबंद के सामान्य प्रशासन समिति के अनुमोदन के बगैर ही सरकारी राशि आहरण की शिकायत भी जनपद सदस्य के विरुद्ध की गई थी ।विभागीय जांच में विभागीय जांच में आरोप सिद्ध होने के बाद जिला पंचायत सीईओ गरियाबंद द्वारा जांच प्रतिवेदन के साथ जनपद सदस्य सफीक खान को बर्खास्त करने का प्रतिवेदन कलेक्टर गरियाबंद को भेजा गया था जिसके आधार पर कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम 1993 की धारा 40 अंतर्गत कार्यवाही करते हुए जनपद सदस्य को बर्खास्त किया ।ज्ञात हो कि जनपद सदस्य सफीक खान द्वारा जनपद पंचायत में उपयोग किए गए वाहन के किराया, सरकारी काम में लगे टेंट का किराया और जनपद सीईओ के वाहन किराया अपने स्वयं के फॉर्म केजीएन ट्रांसपोर्ट का बिल लगाकर लगभन दो लाख 33 हजार 400 रुपए की राशि का हरण कर लिया गया था। इसके 20 दिसंबर 2021 में वाहन किराया के नाम पर 32300 रुपए, 8 मार्च 2022 में राजिम माघी मेला आयोजन के दौरान उपयोग किए गए वाहन किराया, 25 मार्च 2021 में सरपंच सम्मेलन टेंट किराया 115100 रुपए, 31 मार्च 2022 में वाहन किराया 24000 हजार रुपए, 11 अप्रैल 2022 में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत के वाहन दौरा हेतु किराया 16500 रुपए कुल दो लाख 33 हजार 400 रुपए की राशि का स्वयं की फर्म केजीएन ट्रांसपोर्ट का बिल लगाकर फर्म के खाते में ही भुगतान कराया गया। शिकायत जांच में इसकी पुष्टि होने के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की है। उल्लेखनीय की उल्लेखनीय की जनपद सदस्य सभी खान के विरुद्ध लंबे समय से मामले की जांच चल रही थी लेकिन कांग्रेस सरकार और उसके एक मंत्री के दबाव के चलते हैं अब तक कार्रवाई लंबित थी ।प्रदेश में सरकार बदलते ही भाजपा के स्थानीय विधायक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की दखल के बाद प्रशासन ने मामले में कार्यवाही की है।

सर्प दंश पीड़ित बालिका को जिला चिकित्सालय में आवश्यकतानुसार सभी चिकित्सा सुविधा मुहैय्या कराया गया

दुर्ग। जिले के ग्राम बोरीगारका निवासी सर्प दंश पीड़ित मरीज बालिका निशा की स्थिति अत्यंत नाजुक होने के कारण ऑक्सीजन सपोर्ट के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उतई से 11 जून को जिला चिकित्सालय दुर्ग के लिए रेफर किया गया। मरीज की नाजुक हालत को ध्यान में रखते हुए जिला चिकित्सालय में आवश्यकतानुसार सभी चिकित्सा मुहैय्या कराया गया।

ग्राम आमदी के मजदूरों से अन्य पंचायत में लिया गया कार्य

मनरेगा कार्य में पूरा राशि नही मिलने से मजदूर अशांतुष्ट

गरियाबंद (समय दर्शन)। ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत लोगो को रोजगार देने के उद्देश्य से शासन प्रशासन द्वारा पंचायत स्तर पर तालाब गहरीकरण सड़क निर्माण व अन्य कार्य की स्वीकृति प्रदान कर मनरेगा कार्य के लिए भरपूर राशि आबंटित किया जा रहा है,ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोग अपनी रोजी रोटी मनरेगा कार्य करके जीवन यापन करे और उन्हें रोजीरोटी के लिए ग्राम य जिले से बाहर न जाना पड़े ।लेकिन जिला मुख्यालय से महज दो किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत आमदी (म) एक ऐसा ग्राम पंचायत है जहा पर लोगो को मनरेगा के तहत कार्य तो दिया जा रहा है,लेकिन कार्य करने गए मजदूरों को उनके कार्य का वाजिब भुगतान न करके उनकी रोजी काटी जा रही है साथ ही उन्हें अन्य पंचायत क्षेत्र में कार्य करने ले जाया जा रहा है ।इस बात की शिकायत करते हुए ग्राम आमदी के ग्रामीणों ने बताया कि पिछले दिनों ग्राम पंचायत आमदी के नौ मजदूरों को आमदी ग्राम के सरहद पर बने मछली पालन विभाग के तलाब और मेड की सफाई करने मनरेगा कार्य के तहत ले जाया गया था ।उक्त कार्य में किए कार्य के एवज में उन्हें रोजी तो दिया गया लेकिन एक ही कार्य में अलग अलग मजदूरों को अलग अलग राशि 120 रुपया 150 रुपया और 180 रुपया के हिसाब से भुगतान किया गया ।जबकि शासन प्रशासन द्वारा 243 रूपये मजदूरी राशि निर्धारित है और सभी मजदूरों के द्वारा एक जैसा ही कार्य किया गया ।वही मजदूरों के द्वारा बताया गया की मनरेगा कार्य के मेट के द्वारा अपने करीबी लोगो का भूगतान जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित 243 रुपया पूरा पूरा किया गया। साथ ही आमदी पंचायत के मजदूरों को उस पंचायत से अन्यत्र कोकड़ी पंचायत के अंतर्गत पड़ने वाले मछली पालन केंद्र में एक दिन के लिए कार्य करने ले जाया गया था ।जबकि मनरेगा स्वीकृत कार्य को उसी पंचायत में कार्य करना है जहा की लिए कार्य की स्वीकृति दिया गया हो ।वही मनरेगा कार्य में अलग अलग राशि भुगतान के विषय में आमदी पंचायत के रोजगार सहायक दिनेश कश्यप से पूछे जाने पर उन्होंने की मजदूरों के कार्य और कार्य के नाप को देखकर उनकी राशि बनाया जाता है ।

// कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) ।

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. 202406100600044 अ/6 (अ) वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका राही बाया पति पुनित राम बाया व अन्य (01) निवासी ग्राम पतोरा तहसील पाटन जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम पतोरा प.ह.न. 24 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 805/12 रकबा 0.03 हे. अर्थात 3230 वर्गफीट भूमि में त्रुटिवश आवेदिका का नाम राही बाया पिता पुनित राम बाया हो गया है जिसे सुधार कर सही नाम राही बाया पति पुनित राम बाया एवं आवेदिका की जाति त्रुटिवश अनुसूचित जनजाति दर्ज हो गया है जिसे सुधार कर सही जाति अनुसूचित जाति दर्ज किये जाने आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को उजर दावा आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से नियत दिनांक 27.06.2024 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आवेदन में कोई विचार नही किया जायेगा ।

आज दिनांक 12.06.2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
पाटन, जिला दुर्ग

मुहर

// कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) //

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. 202406100600021 अ-6(अ) वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका अहिल्या देवी तिवारी पति श्री दुष्यंत तिवारी निवासी ग्राम पाहंदा, तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा ग्राम पाहंदा प.ह.नं 02 तहसील पाटन, जिला दुर्ग स्थित आवेदक के नाम पर दर्ज भूमि खसरा नंबर 2001 / 5 रकबा 0.02 हे. भूमि 2425 वर्गफीट स्थित है। उक्त भूमि के ऑनलाईन राजस्व अभिलेख में त्रुटिवश रकबा 0.02 हे. के स्थान पर 0.20 हे. दर्ज हो गया है जो कि गलत दर्ज हुआ है ऑनलाईन राजस्व अभिलेख में खसरा नं. 2001 / 5 का रकबा 0.20 हे. के स्थान पर रकबा 0.02 हे. दर्ज कर ऑनलाईन राजस्व अभिलेख में सुधार हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति को उक्त भूमि के संबंध में आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से नियत दिनांक 21/06/2024 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आवेदन में कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग, दुर्ग (छ.ग.)

संक्षिप्त मैन्युअल निविदा सूचना क्रमांक-01

ज्ञा.क्र. 756/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./ 2024-25 दुर्ग, दिनांक 10/06/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1.	शासकीय बाल सम्प्रेक्षण गृह में आर.सी.सी. नाली निर्माण एवं पाईप पुलिया निर्माण कार्य।	12.48
2.	शासकीय बालगृह में भवन मरम्मत कार्यालय भवन संधारण कार्य।	8.26
3.	Construcation of badminton court at Govt. High school Katro.	11.16
4.	Shed at cremation ground at village Janjgir.	6.32
5.	Construcation of dome shed at school in village Machandur.	7.34
6.	Maintenance work at Muskan school sector-2	11.90
7.	Laying of paver block at Syan Sadan.	5.19
8.	Repair of CSR office double storied building for Koushal Kutir.	19.33
9.	Construcation of boundary wall at feel parmarth foundation	17.83
10.	Maintenance of water tank at peeparchedi	5.97

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://res.cg.gov.in में अथवा कार्यालयीन अवधि में दिनांक 10.06.2024 से देखी जा सकती है एवं ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 24.06.2024 है।

G-242500208/2

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, दुर्ग

संक्षिप्त-खबर

प्लेसमेंट केम्प का आयोजन आज

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मागदर्शन केन्द्र दुर्ग के तत्वाधान में 14 जून 2024 को प्रात: 10.30 बजे से प्लेसमेंट केम्प का आयोजन किया गया है। इस प्लेसमेंट केम्प के लिए नियोजकों द्वारा अधिसूचित रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया की जाएगी। नियोजक ग्लोबल बायो सांइस बोरसी दुर्ग द्वारा सर्विस इंजीनियर के लिए 03 एवं एकाउण्टेंट 01 पद तथा क्षेत्रीय ग्रामीण फाइनेंशियल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सेल्स एक्जीकेटिव के लिए 60 पद की भर्ती की जाएगी। उपसंचालक जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र से मिली जानकारी अनुसार रोजगार के इच्छुक आवेदक अपने समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण/अंकसूची, पहचान पत्र (मतदाता परिचय पत्र/आधार कार्ड/पेन कार्ड, ड्रायविंग लाइसेंस/राशन कार्ड), रोजगार कार्यालय का पंजीयन पत्रक, छत्तीसगढ़ निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र एवं समस्त दस्तावेजों की (छायाप्रति) के साथ 14 जून 2024 दिन शुक्रवार को प्रात: 10.30 बजे से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग में उपस्थित हो सकते हैं।

जिला चिकित्सालय दुर्ग एवं समस्त निजी ब्लड बैंकों में आयोजित होंगे रक्तदान शिविर

दुर्ग। जिले में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 14 जून 2024 को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाएगा। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि प्रत्येक नागरिक अपनी स्वेच्छा अनुरूप रक्तदान करें। ताकि आपके द्वारा दिये गये रक्तदान से कई लोगों की जान बचाया जा सके। भारत में सालाना 01 करोड़ युनिट रक्त की आवश्यकता पड़ती है, लेकिन उसकी उपलब्धता 75 लाख युनिट है, 25 लाख युनिट ब्लड की कमी से हर साल सैकड़ों लोगों की जान चली जाती है। ब्लड डोनेट करके न सिर्फ आप दूसरों की जान बचा सकते है, बल्कि अपने स्वास्थ्य को सुधार भी कर सकते है। आपके 01 युनिट रक्तदान से जरूरतमंद किसी एक व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। उल्लेखनीय है कि 14 जून 2024 को विश्व रक्तदाता दिवस पर जिला अस्पताल दुर्ग एवं समस्त निजी ब्लड बैंकों में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। इसमें सभी नागरिक अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान कर अपनी नागरिकता और सामाजिक सद्भावना का परिचय देने एवं पुनीत कार्य करने के लिये आगे आयें।

बाल एवं किशोर श्रम उन्मूलन की दिशा में बचाव अभियान कार्यक्रम के तहत जिले में टॉस्क फोर्स टीम का गठन

बालोद (समय दर्शन)। कलेक्टर चन्द्रवाल के निर्देशन में बाल श्रम निषेध दिवस 12 जून के अवसर पर बाल एवं किशोर श्रम उन्मूलन की दिशा में बचाव अभियान कार्यक्रम के तहत जिले में टॉस्क फोर्स टीम का गठन किया गया है। जिला श्रम अधिकारी ने बताया कि गठित टास्कफोर्स टीम के माध्यम से जिले में स्थित उद्योगों, निर्माण कार्यों, दुकानों, होटल, ढाबा, वर्कशाप, आटोपार्ट्स, गैरेज, ईट भट्ठा, कबाडी इत्यादि में निरीक्षण कर बाल एवं किशोर श्रम अधिनियम का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस दौरान टीम को उद्योगों, संस्थानो में निरीक्षण में कोई भी बाल श्रमिक नियोजित नहीं पाये गए।

ड्रोन से होगा निगम भिलाई के भवनो एवं भूमियो का जी.आई.एस. सर्वे

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर निगम भिलाई द्वारा अपने भवनो एवं भूमियो का जी.आई.एस. सर्वे ड्रोन के माध्यम से कराये जाने की अनुशंसा महापौर परिषद द्वारा प्रदान की गई। निगम भिलाई क्षेत्र के जितने भी आवासीय एवं व्यावसायिक भूमि, भवन, गार्डन, रोड, पानी टंकी, मार्केट, स्कूल, शासकीय भवनों को इसके माध्यम से जुड़ जायेगें। जिससे किसी भी भवन की भौगोलिक स्थिति का एक एड्रेस एवं निश्चित जी.पी.एस. लोकेशन के साथ ऑनलाईन मैप का पता लगया जा सकता है। निगम क्षेत्र में निवासरत नागरिक जो अपने मकानो, दुकानो का संपत्तिकर, जलकर, भू-भाटक आदि करो का वास्तविक सर्वे पारदर्शिता के साथ हो जाएगा। जी.पी.एस. के माध्यम से निगम के सभी साफ्टवेयर को इससे जोड़ा जायेगा, जिससे निगम क्षेत्र के किसी भी भवन का पहचान हो जायेगा और भवन को ढुढने की आवश्यकता नहीं पड़ेगा। सभी भवनों में डिजिटल डोर एवं नम्बर प्लेट लगाया जायेगा, जिसमें क्यू.आर.कोड लगाया जाएगा। जी.आई.एस. तकनीक के माध्यम से सभी वार्डो के भवन एवं भूमियो का डेटाबेस तैयार कर साफ्टवेयर एवं एप के माध्यम से नागरिको को सुविधा प्रदान की जायेगी तथा निगम का काम भी सरल एवं सुगम हो जाएगा। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने विशेष रूचि लेकर इसके लिए अलग से एक सेटअप बनवाया है, दिलीप कुर्वे टेक्निकल टीम के माध्यम से जहां पर इकसे संबंध में तैयारी की कर रहे हैं, जब यह पूर्ण रूप से मूर्तरूप लेगा। निश्चित ही यह सब के लिए फायदेमंद होगा। साथ ही नगर निगम के द्वारा बिछाई गई पाईप लाईन, सिवरेज सिस्टम का भी मेपिंग हो जाएगा। इन सब से नगर निगम के आय में बढ़होत्तरी होगी। आम नागरिको को भी इससे सुविधा होगा की उनकी संपत्ति का वास्तविक मूल्यांकन नियमानुसार हो जायेगा। जी.आई.एस आधारित साफ्टवेयर बनाये जाने की महापौर परिषद द्वारा तारिफ की गई।

पुलिस सेटिंग के नाम पर जुएं के फड़ में उमड़ी भीड़, क्राइम टीम ने ट्रैक्टर में पहुंचकर दी शिवनाथ तट पर दबिश, 12 सपड़ाए

मुकेश बनवासी

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग जिले में आचार संहिता खत्म होते ही जुएं की बड़ी महफिल सजने की खबर दुर्ग पुलिस की क्राइम टीम को मिली। टीम ने कार्रवाई करते हुए 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। लेकिन फड़ संचालक मौके से बड़ी राशि लेकर पहले ही फरार हो गया। बताया जा रहा है कि उसे लिटिया चौकी के स्टार कांस्टेबल ने पहले ही सूचना दे दी थी।

वहीं जुआरियों को ये बताया गया था कि सेटिंग ऊपर लेवल के अधिकारी से हुई है, क्राइम क्या कोई भी उन पर हाथ नहीं डालेगा। लेकिन क्राइम डीएसपी और टीआई की टीम ने आरोपियों को फिल्मी अंदाज में ट्रैक्टर में जाकर रंगेहाथ पकड़ा है।

जानकारी के मुताबिक दुर्ग पुलिस के पास कुछ दिनों से जिले में संगठित जुआ चलने की सूचना आ रही थी। एसपी जितेंद्र शुक्ला के निर्देश पर सूचना की तस्दीक करने के बाद एसीसीयू की टीम ने सोमवार की रात कार्रवाई की। जिसमें 12 आरोपियों को नदी किनारे जुआ खेलते पकड़ा। क्राइम डीएसपी हेम प्रकाश नायक और टीआई कपिल देव पांडे के नेतृत्व में फिल्मी अंदाज में हुई इस कार्रवाई में मौके से 12 आरोपियों से करीब 75 हजार 300 रूपये और 12 मोटरसाइकिल आदि जब्त किए गए। सभी आरोपियों के खिलाफ धमधा थाने से जुआ अधिनियम की धारा 3(2) के तहत कार्रवाई की गई है।

5 किलोमीटर पहले ट्रैक्टर में पहुंची क्राइम टीम

सोमवार को पुलिस को शिवनाथ तट पर तिरपाल में लहरों का आनंद लेते हुए फड़ चलने की सूचना मिली। क्राइम टीआई टीम के साथ ट्रैक्टर में लेटकर गांव में पहुंचे। पहले दो शूटर पकड़े गए। फिर फड़ तक पहुंचने से पहले कुछ लोग भागने लगे। जिसमें फड़ संचालक लाखों रुपए के साथ भागने में सफल रहा। वहीं बाकी 12 लोगो को घेराबंदी कर पकड़ लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

पुलिस ने मौके से 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिनमें आरोपी सतीश कुमार नवरंग (43) निवासी ग्राम मुरकुटा जिला बेमेतरा, गजेंद्र साहू (25) निवासी ग्राम चीरचार जिला बालोद, अनिल टंडन (38) निवासी ग्राम सीताडबरी छुईखदान जिला केसीजी, उधो कुमार ध्रुव (30) निवासी ग्राम रौंदा धमधा जिला दुर्ग, सुकालू दास खुटेल (45) निवासी ग्राम लाखाटोला जिला कबीरधाम, शिव सिंह (52) निवासी ग्राम कोपेडबरी जिला बेमेतरा, जयंत वर्मा (39) निवासी ग्राम कोदवा जिला बेमेतरा, शरद कुमार वैष्णव (46) निवासी भंडारपुर जिला कबीरधाम, मनीष बारले (27) निवासी ग्राम रौंदा धमधा जिला दुर्ग, योगेश साहू (26) निवासी जोरातराई जिला राजनांदगांव, प्रदीप मोटवानी (42) निवासी हाउसिंग बोर्ड पद्मनाभपुर जिला दुर्ग और मेहताब सिंह (34) निवासी कवर्धा जिला कबीरधाम शामिल हैं। सभी आरोपितों के खिलाफ जुआ एक्ट की धारा के तहत कार्रवाई की गई है।

बड़ी रकम के साथ फड़ संचालक फरार

बताया जा रहा है कि क्राइम टीम के छापे की सूचना लिटिया के एक सिपाही ने ही जुआरियों को लीक की। जिसके बाद मुख्य आरोपी फड़ संचालक सहित कुछ जुआरी मौके से फरार हो गए। फड़ संचालक मौके से बड़ी राशि लेकर फरार हो गया। पुलिस के हाथ सिर्फ 75 हजार रुपये ही लगे। लेकिन फड़ करीब 10 लाख रुपए से ऊपर का था। बताया जा रहा है कि कुछ दिन तक जुआ लिटिया और नंदिनी क्षेत्र में भी चला है।

हफ्ते के 2 लाख में अधिकारी से सेटिंग!

शिवनाथ के किनारे बेखौफ होकर जुआ खेल रहे आरोपियों ने बातचीत में पुलिस को बताया कि हमें तो बोला गया था कि एक पुलिस अधिकारी से दो लाख रुपये हफ्ता में जुआ खेलाने की अनुमति दी गई है। जिसके कारण भीड़ उमड़ी है। धमधा क्षेत्र में जुएं के इस फड़ का तीसरा दिन था। लेकिन एसीसीयू की टीम ने छापामार कार्रवाई कर उसे ध्वस्त कर दिया।

सड़क पर रखें अवैध रेत का ढेर, नगर निगम ने ठोंका एक हजार रुपये जुर्माना

सड़क पर भवन निर्माण सामग्री मिली तो होगी कार्रवाई- आयुक्त लोकेश चन्द्राकर

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम द्वारा शहर को साफ सुथरा रखा जा रहा है और यही कारण है कि सड़क या किनारे रखी निर्माण सामग्री के मालिकों पर कार्रवाही की तैयारी शुरू कर दी है।भवन निर्माण सामग्री के कारण यातायात तो बाधित होता ही है साथ ही गंदगी भी होती है।

ऐसी ही कार्रवाई के लिए आज श्रीमती मेम कुमारी देवांगन वार्ड क्रमांक 21 आशा नगर द्वारा सड़क पर अवैध रेत रखा हुआ था नगर निगम के भवन निरीक्षक विनोद मांझी ने स्वास्थ्य विभाग के वार्ड 21 के सुपर वाइजर के संग एक हजार रुपये का जुर्माना भी ठोंका। इस कार्रवाई से ऐसा करने वाले बाकी लोगों में दहशत व्याप्त है।भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नगर निगम द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। कार्रवाई के लिए आयुक्त लोकेश चन्द्राकर द्वारा भवन शाखा व निगम स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को दायित्व सौपा गया है।

सड़क पर भवन सामग्री की शिकायत या निरीक्षण के दौरान पाए जाने पर कार्यवाही की जावेगी। उक्त संबंध में भवन शाखा अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी,स्वच्छता निरीक्षकों को कार्रवाई करने के लिए निर्देश दिए गये है। इसी कड़ी में गुरुवार को कार्यवाही की गई और सड़क पर निर्माण सामग्री रखे जाने पर एक हजार रुपए जुर्माना वसूले गए।भवन निरीक्षक विनोद मांझी द्वारा स्वामी-संचालक को कार्रवाई की चेतावनी देते हुए उसे शाम तक सड़क से रेत का ढेर व इट को हटाने को कहा गया है। अवैध सामाग्री नहीं हटाने पर जब्ती के साथ साथ और अधिक जुर्माना अधिरोपित की कार्रवाई अमल में लायी जाएगी। सड़क पर भवन निर्माण सामग्री मिली तो होगी कार्रवाई।घरों के बाहर सड़क किनारे व दुकानों के बाहर भवन निर्माण संबंधी मेटेरियल के संबंध में समझाईश दी जा रही है।

नवनिर्वाचित महासमुंद सांसद रुपकुमारी चौधरी का विजय रैली

विधायक ने नंदी भेंट कर व कार्यकर्ताओं ने फूल माला व मिष्ठान से तौल कर किया स्वागत

बसना(समय दर्शन)। लोकसभा चुनाव 2024 में महासमुंद लोकसभा प्रत्याशी रुपकुमारी चौधरी ने कांग्रेस प्रत्याशी ताम्रध्वज साहू को एक लाख पैंतालीस हजार चार सौ छप्पन वोट से हराकर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा का परचम लहराने में सफल रही। सांसद रुपकुमारी चौधरी ने अपनी इसका श्रेय लोकसभा क्षेत्रवासियों को दी। बुधवार को नव निर्वाचित सांसद रुपकुमारी चौधरी का प्रथम नगर आगमन हुआ।भाजपा कार्यकर्ताओं व क्षेत्रवासियों में काफी उत्साह देखा गया। विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने भाजपा गमछा पहनाकर छत्तीसगढ़ की प्रतीक चिन्ह नंदी भेंट कर सांसद रुपकुमारी चौधरी का स्वागत किया। उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं व क्षेत्रवासियों ने फुलमाला पहनाकर मिष्ठान से तौल कर बाजे गाजे के साथ ऐतिहासिक स्वागत किया। इस दौरान सांसद रुपकुमारी चौधरी एवं विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने क्षेत्रवासियों का धन्यवाद करते आभार व्यक्त किये तथा विकास कार्यों में दुगना उत्साह से कार्य करने की बात कही। इस मौके पर विधानसभा प्रभारी अमरजीत सिंह छाबड़ा, जिला अध्यक्ष संजय शर्मा, जिला उपाध्यक्षगण रमेश अग्रवाल ,जितेन्द्र त्रिपाठी, विधानसभा संयोजक डॉ.एनके अग्रवाल, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष उषा पटेल, पूर्व मण्डी अध्यक्ष प्रेमशंकर पटेल, वरिष्ठ भाजपा नेता सतीश अग्रवाल, सतपाल सिंह छाबड़ा, कैलाश अग्रवाल, मण्डल अध्यक्षगण अनिल अग्रवाल, माधव साव, हरप्रसाद पटेल, कृष्ण कुमार साहू, नरेश सिंघल,मुरारी अग्रवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष गजेन्द्र साहू, उपाध्यक्ष सुमित अग्रवाल, किरण अग्रवाल, महिला मोर्चा अध्यक्ष रीना गर्ग, क्षमा गोयल,अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष अखिलेश भोई,जनपद पंचायत बसना अध्यक्ष रुक्मणी पटेल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य त्रिलोचन नायक, विधायक प्रतिनिधि अनूप अग्रवाल, रविन्दर आजमानी, युवा मोर्चा अध्यक्ष विजय राज पटेल, मण्डल महामंत्रीगण अभिमन्यु जायसवाल आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में दूरसंचार संबंधी बैठक सम्पन्न

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आज दूरसंचार अवसंरचना के विकास के लिए तार मार्ग के अधिकार (राईट ऑफ वे) की नीति 2021 के अंतर्गत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि टावर व फाइबर के लिए प्राप्त आवेदनों आवेदनों का परीक्षण कर सभी नगरीय निकायों से अभिमत प्राप्त कर लिया गया है। आचार संहिता शिथिल होने के पश्चात अनापत्ति प्रमाण पत्र देने की प्रक्रिया जारी कर दी गई है। इस दौरान एडीएम श्री अरविंद एक्का, एसडीएम भिलाई-3 श्री महेश राजपूत, एसडीएम पाटन श्री दीपक निकुंज, चिप्स अधिकारी श्रीमती श्रुति अग्रवाल सहित इंडस टावर्स लिमिटेड, मेसर्स टावर विजन इंडिया प्रा. लि., मेसर्स जिओ डिजिटल फाइबर प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स टेलीसोनिक नेटवर्क लिमिटेड कम्पनी के प्रतिनिधि शामिल थे।

मूत्र रोग एवं पथरी प्रोस्टेट का परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर कल अग्रवाल नर्सिंग होम बसना में

बसना(समय दर्शन)। क्षेत्र के जरूरत मंद लोगो की समस्याओं के मद्देनजर अग्रवाल नर्सिंग होम बसना में 15 जून को मूत्र एवं पथरी रोग संबंधित ऑपरेशन शिविर का आयोजन रखा गया है। जिसमे किडनी, पथरी,प्रोस्टेट का समुचित जांच,इलाज एवं सर्जरी लेजर एवम दूरबीन पद्धति द्वारा किये जायेंगे। किडनी में सूजन, पथरी एवं सिकुडन का इलाज पुरुषों में बाँझपन एवं नपुंसकता का उपचार, मुत्रकोष का संक्रमण एवं मूत्र नली का सिकुडन, किडनी, प्रोस्टेट, टेस्टिस के कैंसर पेशाब का रुक रुक कर आना, पेशाब मे झाग आना,लीक करना या खून आने का उपचार। पीडियाट्रिक यूरोलॉजी की सेवाएं, इमरजेंसी यूरोलॉजी की सेवाएं, ट्रामा से लेकर किडनी में यूरिन ब्लॉकेज तक सभी का आपरेशन एवम परामर्श डॉ. योगेश बारापात्रे (एमबीबीएस,एम एस एमसीएच MBBS, MS, MCH) यूरो सर्जन 15 जून को अग्रवाल नर्सिंग होम बसना में करेंगे। समय शाम 4बजे से उपलब्ध रहेंगे। आयुष्मान अथवा राशन कार्ड एवम बीजू कार्ड द्वारा ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। ,सिटी स्कैन , एक्स रे ,द्वारा पथरी की सटीक जांच एवं विशेष छूट 30 प्रतिशत तक उपलब्ध है। ऑपरेशन के इच्छुक मरीज अपनी सभी जांच रिपोर्ट के साथ 14 जून को शाम 4 बजे तक भर्ती हो जाएं। प्रतिदिन नि:शुल्क डायलिसिस उपलब्ध। आईसीयू आईसी बैकअप के साथ आपातकालीन सेवायें । अग्रिम पंजीयन अनिवार्य है। रजिस्ट्रेशन के लिए 9303623130, 7773086100, 8461811000 पर संपर्क कर सकते है।

छत्तीसगढ़ में ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, माओवादी समस्या का निदान और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए

विष्णुदेव सरकार को छह माह पूरे विधायक गजेंद्र यादव ने दी शुभकामनायें

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय सरकार को छह माह पूरे हो गये है विधायक गजेंद्र ने प्रदेश के नागरिकों को शुभकामनायें दी देते हुए कहा की छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार जनता के उम्मीद के अनुरूप खरी उतरी है भाजपा विधानसभा की तरह लोकसभा चुनाव में भी मतदाताओं ने बीजेपी पर भरोसा जताया है। देश के इतिहास में पहली राज्य सरकार है जिसने सिर्फ 4 महीने में ही 22 हजार करोड़ से अधिक की राशि विभिन्न योजनाओं के तहत हस्ताँतरित किसान, गरीब, महिलाओ को लाभान्वित किया है। सरकार ने बहुत ही कम समय में चुनाव में जनता से किये प्रमुख वादों को पूरा किया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 6 महीनों में ही छत्तीसगढ़ में ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, माओवादी समस्या का निदान और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सोशल मीडिया पर जनता के सकारात्मक प्रतिक्रियाओं से यह स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के त्वरित निर्णय-सख्त प्रशासन को सराहा जा रहा है और संवरते छत्तीसगढ़ के प्रति लोग आश्वस्त हैं।

विधायक गजेंद्र यादव ने कहा की साय सरकार ने पहले ही केबिनेट गरीबों के खुद का पक्का मकान का सपना पूरा करने 18 लाख आवास बनाने मंजूरी, 13 लाख किसानों को 2 साल का बकाया बोनस, कृषि उन्नत योजना अंतर्गत किसानों से 3100 में धान खरीदी, महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओ को सशशक्त बनाने प्रतिमाह 1000 रूपये हस्ताँतरित किये। दुर्ग शहर विधानसभा में विकास कार्य के लिए साय सरकार द्वारा विभिन्न सौगात दिए है जिसके लिए उन्होंने दुर्ग शहर के समस्त नागरिकों की ओर से मुख्यमंत्री का आभार जताया है।

छह माह के साय सरकार में दुर्ग शहर को मिला सौगात

- ✔ 2.40 करोड़ से शहर के 8 मुक्तिधाम का जीर्णोद्धार करने एक साथ भूमिपूजन किया गया।
- ✔ रविशंकर स्टेडियम के पास 1.5 करोड़ की लागत से इंडोर बैडमिंटन कोर्ट निर्माण तथा कलेक्टर परिसर के शताब्दी गार्डन में लैंडस्केपिंग कार्य के लिए भूमिपूजन।
- ✔ लगभग 1 करोड़ की राशि से शहर के 30 स्थानों पर मंच निर्माण हेतु भूमिपूजन किया गया।
- ✔ दुर्ग शहर में सौर ऊर्जा से संचालित 16 नग हाई मास्क लाइट की स्वीकृति।
- ✔ धमधा नाका में नया ओवरब्रिज बनाने बजट में शामिल
- ✔ दुर्ग शहर के दो प्रमुख मार्ग को फेरलेन और टू लेन सड़क बनाया जाएगा।
- ✔ शहर के 7 तालाब को जोड़कर गंदा पानी बाहर निकालने तथा बारिश के जलभराव से निजात दिलाने परियोजना
- ✔ निगम क्षेत्र में सड़क, नाली जैसे मूलभूत सुविधाओ के विस्तार के लिए लगभग 21 करोड़ की स्वीकृति मिल चुकी है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक- दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय-0771-4218364 ईमेल- samay.darshan191@gmail.com, पंजी. क्र. CHHHIN/2011/41517, डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26